साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 212 | जौनपुर, सोमवार, 29 अप्रैल 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश में इस सप्ताह लू का अलर्ट, पांच डिग्री तक बढ़ेगा रात का तापमान

लखनऊ, संवाददाता। देश का अधिकांश हिस्सा भीषण गर्मी की चपेट में है। यूपी में लू चल रही है। लखनऊ में हीट वेव की चपेट में आने का पहला मामला सामने आया है। शनिवार को हीटवेव की शिकार बसंतकुंज निवासी वैष्णवी गौतम को बुखार व उल्टी– दस्त की शिकायत ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में दो से पांच दिन लू चलने की चेतावनी जारी की है। पश्चिम बंगाल व ओडिशा में लू चलने का रेड अलर्ट जारी किया है। उधर, पंजाब में शनिवार को तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि हुई। मौसम विभाग ने गर्भवती महिलाओं व बच्चों को घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को मौसम का सबसे गर्म दिन (40 डिग्री सेल्सियस) रहा। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले दो दिनों तक प्रदेश के कई इलाकों में रात के अधिकतम तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस की बढोतरी की संभावना है। इसे उष्ण रात्रि या वॉर्म नाइट कहते हैं। देश का अधिकांश हिस्सा भीषण गर्मी की चपेट में है और लोग बेहाल हैं। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा में लू चलने का रेड अलर्ट जारी किया है, वहीं उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में अगले दो से पांच दिन लू चलने का अनुमान व्यक्त किया है। उधर पंजाब–हरियाणा समेत कुछ राज्यों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई है।

गैस लीकेज से किचन में लगी आग, तेज धमाके से सिलेंडर फटा

लखनऊ, संवाददाता। चौक में रविवार सुबह प्रॉपर्टी डीलर के मकान में खाना बनाते समय गैस के रिसाव के कारण आग लगई। इस बीच तेज धमाके के साथ सिलिंडर फट गया। धमाका इतना तेज था कि पूरा मकान भरभरा कर ढह गया। वहीं, पड़ोसियों के मकान में लगे शीशे टूट गए। हादसे में मलबे में परिवार के चार लोग 20 मिनट तक फंसे रहे। लोगों ने घटना की जानकारी दमकल और पुलिस को दी। इसके बाद पड़ोसियों ने मासूम सहित चारों घायलों को ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां एक की हालत गंभीर बनी हुई है। गाजी मंडी में प्रॉपर्टी डीलर गुलाब ने बताया कि चचेरे भाई सुरेश की पत्नी पिंकी किचन में खाना बना रही थीं। तभी पाइप ढीला होने से गैस लीक करने लगी और आग लग गई। धमाके कारण दो मंजिला घर भरभरा कर जमींदोज हो गया। मकान के मलबे में पिंकी, जगदीश कश्यप, एक वर्षीय विदिशा व पड़ोसी राजकुमार दब गए। धमका इतना भीषण था कि पड़ोसी दहल उठे। मलबे के उठे धुएं के गुबार छटने के बाद पड़ोसियों ने आनन –फानन दबे लोगों को बाहर निकाला।

पहले दो चरणों में भाजपा 100 से अधिक सीट हासिल करेगी - अमित

कासगंज, संवाददाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राम मंदिर मुद्दे को लटकाए रखने के लिए विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि जनता को कारसेवकों पर गोलियां चलाने वालों और राम मंदिर बनाने वालों में से किसी एक को चुनना होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शाह ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी एससी– एसटी (अनुसूचित जाति–जनजाति) वर्ग और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण न हटाएगी और न किसी को हटाने देगी और यह 'मोदी की गारंटी' है। शाह यहां एटा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राजवीर सिंह के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। सभा में शाह ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी पर जमकर प्रहार किया। दो खेमे हैं, एक खेमा राम भक्तों पर गोली चलवाने वालों

का है और दूसरा खेमा राम मंदिर बनवाने वालों का। भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस पार्टी, राहुल बाबा और अखिलेश यादव की पार्टियों ने 70–70 साल तक राम मंदिर के मुद्दे को लटका कर रखा, भटका कर रखा। यूपी वालों आप लोगों ने मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया और मोदी जी ने पांच अगस्त 2020 को भूमि पूजन किया और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा करके जयश्रीराम कर दिया। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण मिलने पर भी समारोह में न जाने पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव और राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए कहा निमंत्रण राहुल गांधी, सोनिया गांधी, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे, अखिलेश यादव और उनकी पत्नी डिंपल यादव को भी दिया गया मगर कोई वहां नहीं गया। शाह ने कहा कि यह आपको तय करना है कि कारसेवकों पर गोली चलवाने वाली समाजवादी पार्टी को वोट देना है या राम मंदिर बनाने के लिए अपनी सरकारें कुर्बान करने वाली भाजपा और नरेन्द्र मोदी को वोट देना है। उन्होंने राहुल गांधी पर पिछड़ा वर्ग के नाम पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया।

बीजेपी का संकल्प पत्र विकसित भारत की गारंटी देता – राजनाथ सिंह

अहमदाबाद, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का संकल्प पत्र एक नये और विकसित भारत की ठोस गारंटी है, जबकि कांग्रेस का घोषणा पत्र विभाजनकारी और तुष्टीकरण की राजनीति से प्रेरित है। सिंह ने कहा कि कांग्रेस अपने लंबे शासनकाल के दौरान गरीबी उन्मूलन में नाकाम रही, जबकि (केंद्र की) नरेन्द्र मोदी सरकार ने पिछले आठ–नौ साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। उन्होंने दावा किया, ''देश को आगे ले जाने के लिए कांग्रेस के पास नेतृत्व, नीति और इरादा नहीं है। भाजपा सरकार भारत को 2027 तक विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री ने कहा, ''हमारा संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) एक नये सामर्थ्यवान और विकसित भारत की ठोस गारंटी है। कांग्रेस का घोषणा पत्र विभाजनकारी और तुष्टीकरण से प्रेरित है।'' उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के 10 साल के शासन में हुए ''भ्रष्टाचार के खेल'' में कांग्रेस की सबसे बड़ी भूमिका थी। सिंह ने कहा,

''कांग्रेस जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के समय से गरीबी उन्मूलन की बात करती रही है, लेकिन 50 साल शासन करने के बाद भी ऐसा करने में नाकाम रही। पिछले महज आठ–नौ साल में हमारी सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने में सफल रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि मोदी सरकार अगले पांच–10 साल में देश से पूरी तरह से गरीबी का उन्मूलन करना चाहती है। सिंह ने कहा कि भाजपा लोकसभा चुनाव में गुजरात के सूरत से जीत की शुरुआत कर चुकी है।

जनता की भावनाओं को समझते ही '400 पार' का नारा भूल गयी भाजपा – अखिलेश यादव

संभल, संवाददाता। समाज वादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आम चुनाव के तीसरे चरण में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एक भी सीट न मिलने का दावा करते हुए रविवार को कहा कि जनता की भावनाओं को समझा सत्तारूढ़ दल 400 पार का नारा भूल गया है। सपा प्रमुख ने संभल में पार्टी उम्मीदवार जिया –उर– रहमान बर्क के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा ने 400 पार का नारा दिया। जैसी ही दूसरा चरण समाप्त हुआ, (वे) 400 पार का नारा भूल गये। भाजपा के लोगों को हवा का रुख पता नहीं था, इसलिए 400 पार कह रहे थे और जब दो चरणों के चुनावों में जनता की भावना समझ गए कि जनता 400 सीटें हराने जा रही है तो भाजपा अपना नारा भूल गयी। सपा प्रमुख ने कहा, पहले चरण में पश्चिम से जो हवा चली उसने भाजपा को पलटने का काम किया, उनकी सरकार को बदलने का काम किया। लोग भाजपा को स्वीकार नहीं कर रहे। तीसरे चरण में अब आपकी जिम्मेदारी है। यादव ने संभल से अपना रिश्ता जोड़ते हुए कहा, इस हिस्से से लेकर हमारे घर (इटावा–मैनपुरी) तक चुनाव है। इस क्षेत्र (संभल) से नेताजी (मुलायम सिंह यादव) भी सांसद रह चुके हैं। यहां से लेकर मैनपुरी तक वोट पड़ने जा रहा है। इस चरण में मैं कह सकता हूं कि भाजपा का किसी भी लोकसभा में खाता नहीं खुलने वाला।

मोदी अरबपतियों के लिए सरकार चलाते हैं, पटनायक कुछ चुनिंदा लोगों के लिए - राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केंद्र में अरबपतियों के लिए सरकार चलाते हैं तो दूसरी ओर ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक एक ऐसी सरकार का नेतृत्व करते हैं जो केवल राज्य के ''चुनिंदा लोगों'' के लिए काम करती है। गांधी ने कटक के सालेपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि भले ही बीजू जनता दल (बीजद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक–दूसरे के खिलाफ चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन वास्तव में वे एक साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इसे साझेदारी कहें या कुछ और नाम दें लेकिन बीजद और भाजपा दोनों एक साथ हैं। गांधी ने पटनायक पर निशाना साधते हुए कहा कि भले ही पटनायक मुख्यमंत्री

हैं, लेकिन राज्य में बीजद सरकार उनके सहयोगी वी के पांडियन चला रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी और पटनायक की कथित साझेदारी पर निशाना साधते हुए कहा, ''अंकल–जी और नवीन–बाबू ने ओडिशा को पीएएएनएन दिया है, अर्थात् पांडियन, अमित शाह, नरेन्द्र मोदी और नवीन पटनायक। उन्होंने आपका धन लूट लिया है।'' उन्होंने कहा, ''खनन घोटाले के जरिये नौ लाख करोड़ रुपये लूटे गए। जमीन हड़पकर 20,000 करोड़ रुपये लूटे गए। पौधारोपण घोटाला 15,000 करोड़ रुपये का था। जैसे ही यहां और दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनेगी, हम आपको आपका पैसा वापस देना शुरू कर देंगे।'' गांधी ने दावा किया कि इसी तरह, तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) भाजपा के साथ काम करती थी और कांग्रेस पार्टी ने उसे सत्ता से बाहर कर दिया। कांग्रेस नेता ने कहा, ''नवीन–बाबू ने आपको पांडियन दिया है, मैं आपको बताऊंगा कि कांग्रेस आपको क्या देगी। अगर हम केंद्र की सत्ता में आये तो पांच क्रांतिकारी कार्य करेंगे। हम सभी गरीब परिवारों की एक सूची बनाएंगे और एक परिवार से एक महिला का चयन किया जाएगा।

बादल ने धर्म का इस्तेमाल हमेशा अपने निहित स्वार्थों के लिए किया –सीएम मान

पंजाब, एजेंसी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर निशाना साधा और उन पर निहित स्वार्थों के लिए धर्म का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। राज्य की सभी 13 लोकसभा सीटों पर आम आदमी पार्टी (आप) की जीत सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने मोगा के बाघा पुराना में फरीद कोट सीट से आप उम्मीद वार करम जीत अनमोल के पक्ष में रैली की। फिरोजपुर लोकसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी जगदीप सिंह काका बराड़ के पक्ष में रोड शो किया।

कांग्रेस देश के खिलाफ 'गुप्त एजेंडे' पर काम कर रही - सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर जमकर प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि सत्ता से वंचित होने के बाद कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ऐसे तड़प रही है, जैसे बिन पानी मछली तड़पती है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने आंवला में भाजपा उम्मीदवार धर्मेंद्र कश्यप, बदायूं में दुर्विजय शाक्य और आगरा से पार्टी उम्मीदवार व केंद्रीय मंत्री एसपी बघेल के समर्थन में अलग–अलग चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। एटा जिले की जलेसर विधानसभा सीट आगरा लोकसभा क्षेत्र में आती है जहां बघेल के समर्थन में मुख्यमंत्री की सभा की। आंवला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दस वर्ष में बदले भारत की तस्वीर रखते हुए आदित्यनाथ ने

दावा किया कि सत्ता से वंचित होने के बाद सपा–कांग्रेस, बसपा के लोग ऐसे तड़प रहे हैं, जैसे बिन पानी मछली तड़पती है। आदित्यनाथ ने कहा, हम सपा, बसपा व कांग्रेस से 10 प्रश्न पूछना चाहते हैं। कांग्रेस को 60–65 वर्ष, सपा–बसपा ने प्रदेश में तीन से चार बार शासन किया, फिर भी उन्होंने समस्याएं पैदा कीं। हम पूछना चाहते हैं कि देश के सामने पहचान, सुरक्षा का संकट पैदा करने वाले कौन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, मुलायम सिंह यादव (सपा संस्थापक) की मृत्यु पर हम लोग लखनऊ व सैफई गए थे, लेकिन उप्र के विकास व राम जन्म भूमि के लिए कल्याण सिंह का जीवन समर्पित रहा। सपा के मुख से उनके लिए संवेदना का एक भी शब्द नहीं फूटा, लेकिन यह लोग माफिया के मरने पर फातिहा पढ़ने गए थे। आदित्यनाथ ने कहा, ऐसे लोगों को सत्ता में आने का अधिकार नहीं है। बदायूं के बिल्सी में आयोजित सभा में आदित्यनाथ ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर अपने ही परिवार के सदस्यों को कथित तौर पर टिकट देने पर तंज कसा। उन्होंने कहा, ''सपा ने इतनी बार अपना प्रत्याशी बदल दिया है कि अखाड़ा सजने से पहले ही वह अपनी हार मान चुकी है। यहां से तो चाचा (शिवपाल सिंह यादव) ने भी पलायन करना ठीक समझा और भतीजे (धर्मेंद्र यादव) के पांव भी पहले ही उखड़ चुके हैं बदायूं लोकसभा सीट से सपा ने पहली सूची में बदायूं के पूर्व सांसद और सपा प्रमुख अखिलेश ने भाई धर्मेंद्र यादव को टिकट दिया। अगली सूची में उनका टिकट बदल कर चाचा शिवपाल यादव को मैदान में उतार दिया गया और दो हफ्ते के प्रचार के बाद शिवपाल की जगह उनके बेटे (चचेरे भाई) आदित्य यादव को उम्मीदवार बनाया गया है। आदित्यनाथ ने कहा कि सपा ने यही काम शाहजहांपुर, रामपुर और मेरठ में भी किया है।

अगर भाजपा दोबारा जीती तो देश में चुनाव और आरक्षण खत्म कर देगी – संजय सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक और बार जीतने के बाद सूरत लोकसभा क्षेत्र की तरह देश में भी चुनाव रद्द कराना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा संविधान और आरक्षण खत्म करना चाहती है। सिंह ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया 300 से अधिक सीट जीतेगा और केंद्र में सरकार बनाएगा। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य ने पत्रकारों से कहा, भाजपा ने बिना चुनाव कराए सूरत सीट जीत ली है। इसी तरह अगर वे फिर से सत्ता में आए तो पूरे देश में चुनाव नहीं कराएंगे। सिंह आप उम्मीदवार और आदिवासी नेता चौतर वसावा के लिए प्रचार करने के लिए भरूच में थे। अन्य सभी प्रत्याशियों के मैदान से हटने और कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभाणी का नामांकन फॉर्म विसंगतियों के कारण खारिज होने के बाद सूरत से भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध चुना गया। आप नेता ने कहा, 2024 के चुनाव के बाद भाजपा पूरे देश से चुनाव खत्म कर देगी। यह चुनाव आखिरी है। इसलिए मैं लोगों से अपने वोट की ताकत बचाने के लिए वोट डालने के लिए कहता हूं। संजय सिंह ने दावा किया, अगर भाजपा जीतेगी तो देश में तानाशाही होगी, मैं कहना चाहूंगा कि सूरत तो सिर्फ एक उदाहरण है।

बीजेपी सरकार भी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों की तरह जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण कर रही है – मायावती

नई दिल्ली, एजेसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने रविवार को दावा किया कि भाजपा सरकार भी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों की तरह ही जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में देश में गरीबी और बेरोजगारी बढ़ी है। यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दावा किया कि अगर ''स्वतंत्र और निष्पक्ष'' चुनाव होते हैं और ईवीएम के साथ कोई ''छेड़छाड़'' नहीं होती है, तो

भारतीय जनता पार्टी के लिए जीतना आसान नहीं होगा। बसपा नेता ने दावा किया, ''ऐसा लगता है कि भाजपा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों की तरह ही जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण कर दिया है। भाजपा सरकार गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई के मोर्चे पर विफल रही है, जो पिछले दो वर्षों में बढ़ी हैं। केंद्र अत्यंत गरीबों को राशन दे रहा है लेकिन असल समाधान रोजगार पैदा करना है।'' उन्होंने बसपा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए कहा, ''भ्रष्टाचार कम नहीं हुआ है और देश की सीमाएं अब तक पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। यह चिंता की बात है। आपको भाजपा और कांग्रेस को सत्ता में आने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा।'' मायावती ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी का गठन इसलिए हुआ क्योंकि कांग्रेस ने दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए काम नहीं किया।

देश की सुरक्षा की अगर कोई गारंटी है तो उसका नाम मोदी है

कर्नाटक, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के दावणगेरे में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि 26 अप्रैल को हुए मतदान ने कांग्रेस पार्टी को परेशान कर दिया है। अब, यह पार्टी 7 मई को कम से कम खाता खोलने की व्यर्थ कोशिश में है। उन्होंने कहा, शपूरी कांग्रेस इस कोशिश में लगी है कि 7 मई को कुछ तो ऐसा हो ताकि कम से कम एक खाता तो खुल जाए। उनके लिए इस बार दिल्ली में खाता खुलने की संभावना खत्म हो गई है। दावणगेरे का ये विशाल जनसमर्थन यह बता रहा है कि कर्नाटक की जनता कांग्रेस को उसके पापों की सजा देकर रहेगी। पीएम मोदी ने कहा, श्अब वह दिन दूर नहीं जब कांग्रेस पार्टी के अलग–अलग गुटों में चल रही अंदरूनी लड़ाई सड़कों पर आ जाएगी। सभी गुट एक दूसरे पर हार का ठीकरा फोड़ते नजर आएंगे। ईवीएम के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते

हुए उन्होंने कहा, श्ये पहले जब भी हार जाते थे तो म्टड को टोपी पहना देते थे। वो दिन–रात चुनाव आते ही आरजेडी की माला जपते रहते थे। अब परसों सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा चांटा मारा है कि वे असमंजस में हैं कि अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सांत्वना देने के लिए क्या कहेंगे। दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस पार्टी ने अपनी हार के बाद क्या बयान देना है, उसके ड्राफ्टिंग में लगी हुई है। पीएम मोदी ने अपनी पार्टी और कांग्रेस की तुलना करते हुए कहा, आज एक ओर बीजेपी सरकार, देश को आगे लेकर जा रही है, दूसरी ओर कांग्रेस कर्नाटक को पीछे धकेल रही है। एक ओर मोदी का मंत्र है – विकसित भारत के लिए चौबीसों घंटे काम... 24X7 श्वत 2047। दूसरी ओर कांग्रेस का वर्क कल्चर है– ब्रेक करो और ब्रेक लगाओ। कांग्रेस देश की एकता को ब्रेक कर रही है और डेवलपमेंट के कामों पर ब्रेक लगा रही है। मोदी का वर्तन, मोदी का समर्पण, 10 सालों से देश देख रहा है। 280 करोड़ आंखें देख रही हैं मोदी जी की सेवा! ये है आपका मोदी, वो मोदी जिसे आपने जाना, परखा और पास किया, जो मैं 2014 और 2019 में नहीं देख सका, वह आज 2024 में देख सकता हूं। आपका प्यार मुझे और अधिक, और अधिक करने के लिए प्रेरित कर रहा है। इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए पीएम ने जनता से कहा, मैंने सुना है, इंडी अलायंस वालों ने नया फॉर्मूला निकाला है।

संपादकीय

जल संरक्षण से निकलेगी बचाव की राह

उत्तराखंड में जंगल की आग एक बार फिर बड़ा रूप ले चुकी है, जबकि इस बार तो पहले से ही पता था कि जंगल की आग विकराल रूप लेगी। अभी अप्रैल खत्म भी नहीं हुआ और अब तक करीब 256 हेक्टेयर जंगल में आग लग चुकी है। जंगल में आग लगने की 245 घटनाएं हो चुकी हैं। जाहिर है, आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ेगी। वनों में आग लगने का इतिहास बहुत पुराना है, लेकिन पहले छिटपुट घटनाएं होती थीं, जिन पर तुरंत नियंत्रण पा लिया जाता था, क्योंकि तब न इतनी प्रचंड गर्मी पड़ती थी और न ही ऐसी ज्वलनशील पादप प्रजातियां थीं। तब वन और जन का रिश्ता अटूट था। पूरे गांव के लोग इस दवानल पर भारी पड़ते थे। वनाग्नि सिर्फ उत्तराखंड के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश और दुनिया के लिए चिंता का विषय है। ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे आग को भड़काने में पूरी भूमिका निभाते हैं, क्योंकि दुनिया का औसत तापमान अगर बढ़ चुका है, तो आग तो पूरी दुनिया के जंगलों में लगेगी ही। कनाडा, कैलिफोर्निया, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया इसके ताजा उदाहरण हैं। इन देशों में शीतोष्ण जलवायु है, फिर भी ग्लोबल वार्मिंग के कारण दावानल की घटनाएं होती रहती हैं। मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के एक शोध ा से पता चला है कि आग 2001 से ज्यादा ही कहर ढा रही है। वर्ष 2001 में 30 लाख हेक्टेयर वनों को आग से नुकसान हुआ, तो 2021 में 90 लाख हेक्टेयर वन राख हुए। कनाडा में 2022 में 60 लाख हेक्टेयर वन राख हो गए। रूसी वनों के हालात भी ऐसे ही थे, जहां 2020 की तुलना में 2021 में 31 फीसदी ज्यादा वन जले। सच तो यह है कि जैसे–जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, वनाग्नि की घटनाएं तेजी से बढ़ेंगी, क्योंकि 150 वर्षों के अध्ययन से पता चला कि प्रचंड गर्मी की स्थिति आज पांच गुना बढ़ गई है। दुनिया भर में वनाग्नि के बड़े असर होंगे। अंतर बस इतना है कि बेहतर प्रबंधन के कारण विकसित देश ऐसी आपदा से जल्दी निपट लेते हैं, जबकि विकासशील या पिछड़े देशों को ज्यादा नुकसान उठाना पड़ता है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते वनों की आग एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ी है। पृथ्वी पर अब मात्र 31 फीसदी वन बचे हैं। दुनिया में प्रति व्यक्ति व.61 हेक्टेयर वन क्षेत्र बचे हैं, जबकि अपने देश में यह 0.08 हेक्टेयर है। यह स्वस्थ उपलब्धता नहीं कही जा सकती। अपने देश की चिंता ज्यादा बड़ी है, क्योंकि हमारे यहां उष्णकटिबंधीय परिस्थितियां हैं। शीतकाल में पर्याप्त वर्षा न होने से मिट्टी में पर्याप्त नमी नहीं होती। इसी वजह से झाड़ ज्यादा होने तथा पत्ते नहीं हटाए जाने से उनमें तुरंत आग पकड़ लेती है, जो जल्दी रुकने का नाम नहीं लेती। जब शुरू में आग लगती है, तो उसमें एयर गैप आ जाता है, जिसे भरने के लिए हवाएं चलती हैं, जिसके चलते आग तेजी से फैलती है। अन्य कारणों में, शीतकालीन वर्षा का अभाव, पतझड़ लंबा होना तथा गर्मी का लगातार बढ़ना तो है ही। पिछले कुछ वर्षों से हम लगातार वनों की आग को झेल रहे हैं, लेकिन कोई प्रभावी कदम नहीं उठा पाए हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है पर्याप्त संसाधनों की कमी। खास तौर से वन विभाग में एक–एक फॉरेस्ट गार्ड के नियंत्रण में करीब डेढ़ सौ से 200 हेक्टेयर वन आते हैं, जो वनों की देखभाल करने के लिए पर्याप्त नहीं है। वनाग्नि की घटनाएं तेजी से बढ़ने का एक और कारण है कि 1988 से पहले वन गांव वालों की भागीदारी से पनपते थे, लेकिन आज वह कड़ी टूट चुकी है। आज की वन नीति में गांव की भागीदारी चाहे जितनी भी हो, वह प्रभावी नहीं दिखती। इसके अलावा वनों और गांव के बीच दूरी बढ़ गई है। पहले गांव के गांव वनों की आग बुझाने के लिए जुट जाते थे। लेकिन अब परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। वन विभाग के पास न तो पर्याप्त मैनपावर है और न ही सटीक रणनीति। जंगलों में आग लगने से सिर्फ वनों का नुकसान नहीं होता, बल्कि वन्य जीव भी मारे जाते हैं। खास तौर से छोटे पशु–पक्षी, जिनके जीवन का आधार ही वन है। यही नहीं, पारिस्थितिकी दृष्टिकोण से इस आग से मिट्टी फटने लग जाती है और फिर बारिश में सारी उपजाऊ मिट्टी बहकर चली जाती है। वनाग्नि से पानी के स्रोत भी सूख जाते हैं। गंभीर बात यह भी है कि अभी तक हमने इस बात पर नीतिगत विचार नहीं किया है कि हम किस तरह से सामूहिक भागीदारी से वनों को बचा सकते हैं। यह पूरे समाज के लिए एक बड़ा संदेश होना चाहिए कि जलते वन को दूर से देखने का अब समय नहीं है, क्योंकि वनों का योगदान पानी, हवा या अन्य संसाधनों को उपलब्ध कराने में भी है। इसलिए इसे मात्र विभागों का दायित्व न समझ कर और गांव वालों के ही भरोसे इसका बोझ डालकर छुट्टी नहीं पा लेनी चाहिए, बल्कि सबको मिलकर वनों की रक्षा करनी चाहिए। अगर इन घटते वनों को आग ने लील लिया, तो तापक्रम तो बढ़ेगा ही, कार्बन डाइऑक्साइड भी प्राण संकट में डाल देगी। इसके अलावा, पानी और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर भी विपरीत असर पड़ेगा। इसलिए अब हमारे पास एक ही विकल्प बचा है कि हम वनों को बचाएं। इसके लिए वन पंचायत को मजबूत कर उनकी भागीदारी बढ़ानी होगी। कम से कम वन पंचायतों को उनके चारों तरफ 100 हेक्टेयर भूमि के वनों की जिम्मेदारी सौंपी जाए और उनसे अपेक्षा की जाए कि वे वनों को अग्नि से बचाएं और बदले में उन्हें वन का अपने लिए उपयोग करने की सुविधा दी जाए। वन पंचायतों की भागीदारी के बिना वन विभाग के पास कोई जादुई छड़ी नहीं है कि वह आग पर नियंत्रण पा ले। वनों को आग से बचाने के लिए वन क्षेत्र में जल संरक्षण के कार्य भी होने चाहिए, ताकि एक तरह की नमी बनी रहे और किन्हीं वजहों से अगर आग लग भी जाए, तो वह ज्यादा फैले नहीं।

विश्व शतरंज में भारत की बढ़ती धमक

आदित्य

विश्व शतरंज में आजकल सबसे चर्चित नाम डी गुकेश का है और वह अपना सपना साकार करने से मात्र एक जीत दूर हैं. वह सबसे कम उम्र (17 साल) में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतने में सफल हो गये हैं. इस गौरव को पाने वाले आनंद के बाद वह दूसरे भारतीय हैं. गुकेश ने रूसी खिलाड़ी गैरी कास्परोव के रिकॉर्ड को तोड़ा है, जिन्होंने 40 वर्ष पूर्व सबसे कम उम्र में यह उपलब्धि प्राप्त की थी. कास्परोव ने 1984 में 22 वर्ष की उम्र में यह खिताब जीतकर रिकॉर्ड बनाया था. गुकेश के साथ उनके शुरुआती दौर से कोच के तौर पर जुड़े रहे विष्णु प्रसन्ना बताते हैं कि वह जब 2017 में 11 वर्ष की उम्र में आये थे, तब उच्चस्तरीय शतरंज के गुर सीख रहे थे. पर उस समय भी उनके दिमाग में एक बात साफ थी कि उन्हें सबसे कम उम्र का विश्व चौंपियन बनना है. वह अपने इस सपने को पूरा करने के कगार पर पहुंच गये हैं. उन्हें वर्ष के आखिर में विश्व चौंपियन डिंग लिरेन से मुकाबला करना है. इसे जीत कर ही वह अपना सपना साकार कर सकते हैं. कई बार झटके लोगों को उबारने में सहायक होते हैं. टोरंटो में इस टूर्नामेंट के दौरान सातवें राउंड में अलिरेजा के हाथों बाजी हारने ने ही उन्हें खिताब जीतने के लिए मजबूत बनाया. उनकी मां पद्मा बताती हैं कि इस बाजी के हारने के बाद गुकेश थोड़ा हताश था. पर मुझसे 10–15 मिनट बात करने के बाद फिर से सारा ध यान शतरंज पर केंद्रित करने में सफल हो गया. वह कहती हैं कि मैंने उससे कहा कि खेल अभी खत्म नहीं हुआ है और अभी सात राउंड बाकी है, उनमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करो. गुकेश अपने प्रदर्शन से पांच बार विश्व चौंपियन रहे कार्लसन को गलत साबित करने में सफल रहे. भारत को आनंद के बाद दूसरा चौलेंजर निकालने में 30 वर्ष का समय लगा है. विश्वनाथन आनंद विश्व चौंपियनशिप कैंडिडेट्स साइकिल में 1991 में सफल हुए थे और उन्हें कैंडिडेट्स खिताब जीतने में चार वर्ष लग गये थे. पर गुकेश अपने पहले ही प्रयास में खिताब जीतने में सफल हो गये हैं. यह भी सच है कि अपने पदचिह्नों पर चलने वाले इस खिलाड़ी को आनंद की भरपूर मदद मिली है. गुकेश सही समय पर वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी में स्थान की आदत डालो', ने ही उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने में मदद की है. गुकेश की सफलता देश में शतरंज के बदले माहौल का प्रतीक है. मुझे याद है कि भारत ने 2020 में रूस के साथ संयुक्त रूप से शतरंज ओलंपियाड का गोल्ड जीता

बनाने में सफल हुए. अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेने के दौरान यहीं उन्हें उनके साथ यात्रा करने वाले कोच ग्रजगोर्ज गजेवस्की (पोलैंड) मिले. पर बचपन के कोच प्रसन्ना की सलाह कि 'अभ्यास करते समय शतरंज इंजन की मदद लेने की जगह स्वयं गणनाएं करने था. पर इस सफलता पर देश में फीकी प्रतिक्रिया मिली थी, तब आनंद ने कहा था कि 1983 में भारत के आईसीसी विश्व कप जीतने पर जिस तरह की दीवानगी देश में बनी थी, उस तरह की दीवानगी बने बिना विश्व चौंपियन निकलना मुश्किल है. देश में शतरंज में क्रिकेट जैसी दीवानगी भले ही नहीं बनी है, पर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में गुकेश सहित तीन खिलाड़ियों का भाग लेना भारतीय दबदबा को जताता जरूर है. भारत के इस मुकाम तक पहुंचने का सफर आसान नहीं है. यह भी कि देश में शतरंज जमाने से खेली जा रही है, पर इसे सही दिशा आनंद के 1988 में ग्रैंडमास्टर बनने के बाद ही मिली. यह वह दौर था, जब ग्रैंडमास्टर बनना बेहद कठिन था. यही वजह है कि अगले 10 से 12 वर्षों में हम केवल पांच और ग्रैंडमास्टर ही निकाल सके. पर 2000 के बाद ग्रैंडमास्टर बनने की गति में तेजी आयी और इसके साथ ही ग्रैंडमास्टर बनने की राह भी आसान होती चली गयी. वास्तव में, ग्रैंडमास्टर नॉर्म पाने के लिए टूर्नामेंट ग्रैंडमास्टर्स का खेलना जरूरी होता है. पर देश में ग्रैंडमास्टर्स की संख्या बढ़ने पर घरेलू टूर्नामेंटों की रेटिंग बेहतर होने से घर में ही ग्रैंडमास्टर निकलने लगे. पहले जीएम नॉर्म पाने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को विदेश जाना पड़ता था, जो बहुत खर्चीला था. इसलिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी आर्थिक तंगी के कारण खिलने से पहले ही मुरझा जाते थे. परंतु अब सही मायनों में देश में शतरंज क्रांति हो गयी है और पिछले चार वर्षों में देश को करीब 25 ग्रैंडमास्टर मिले हैं और यह संख्या अब 84 पहुंच गयी है. गुकेश के कैंडिडेट्स खिताब जीतने पर गैरी कास्परोव ने कहा कि टोरंटो में भारतीय भूचाल शतरंज की दुनिया में बदलाव का संकेत है. उन्होंने इसमें आनंद के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आनंद के बच्चे छाये हुए हैं. पर सही मायनों में गुकेश के विश्व चौंपियन बनने पर ही भारतीय शतरंज को नयी दिशा मिल सकती है. पहली बार कैंडिडेट्स खिताब जीतने वालों में केवल कार्लसन ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जो इस तरह 2013 में विश्व चौंपियन बन सके थे. इसके बाद 2020–21 तक वह इस खिताब पर कब्जा बनाये रखने में सफल रहे. चीनी ग्रैंडमास्टर डिंग लिरेन 2022 में नये विश्व चौंपियन बने. गुकेश के भाग्य का ताला अब डिंग लिरेन के मुकाबले से ही खुलना है।

लोकसभा चुनाव में घटते मतदान प्रतिशत से बीजेपी चिंतित

विनोद

मौजूदा लोकसभा चुनाव में गिरते मतदान प्रतिशत ने भारतीय जनता पार्टी को चिंतित कर दिया है। लोग इस घटना के लिए कई कारण बता रहे हैं, चाहे वह फसल का मौसम हो या भीषण गर्मी। कम मतदान का एक अन्य संभावित कारण यह है कि भाषणों और विज्ञापनों ने लोगों को आश्वस्त किया है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 400 से अधिक सीटें जीतने जा रहा है। हालाँकि, भाजपा थिंक टैंक इस बात को लेकर चिंतित है कि क्या होगा यदि वे जातियाँ और समुदाय जो विपक्ष की ओर झुकते हैं, जोरदार वोट करते हैं, जबकि एनडीए के पक्ष में लोग या तो गर्मी से बचने के लिए घर के अंदर रहेंगे या फसल में व्यस्त रहेंगे। ऐसी स्थिति एनडीए के उद्देश्यों के लिए विनाशकारी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मतदाताओं से बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील कर रहे हैं। बिहार के फारबिसगंज में एक रैली में, मोदी ने अपने भाषण का एक बड़ा हिस्सा लोगों को वोट देने के लिए प्रोत्साहित करने में समर्पित किया। ष्मैं समझता हूं कि गर्मी का मौसम है, लेकिन आपको राष्ट्रहित में विपरीत परिस्थितियों में भी अपना वोट डालने का कर्तव्य निभाना चाहिए।ष उन्होंने लोगों से 20 से 25 के समूह में बाहर आने और गाते–बजाते मतदान केंद्रों तक मार्च करने को भी कहा, जैसे कि यह लोकतंत्र का त्योहार हो। उनकी अंतर्निहित चिंता किसी पर भी हावी नहीं हुई। बेसब्री से इंतजार किया तमिल सुपरस्टार विजय के प्रशंसक जानना चाहते हैं कि वह और उनकी पार्टी कब चुनाव लड़ेगी। दक्षिणी राज्यों में बड़े पैमाने पर प्रशंसक वाले अभिनेता ने फरवरी में अपनी राजनीतिक पार्टी, तमिझागा वेट्री कजगम लॉन्च की थी, लेकिन चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने इंतजार करना चुना। ऐसे राज्य में जहां फिल्म जगत और राजनीति जटिल रूप से जुड़े हुए हैं, विजय राजनीतिक पारी खेलने वाले नवीनतम अभिनेता हैं। इसलिए उनके प्रशंसक विजय और उनकी पार्टी के लिए अपना वोट डालने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, चाहे वह कभी भी हो। भाजपा के शुभंकर नरेंद्र मोदी ने न केवल आक्रामक नारा, ष्अबकीबार चार सौ पारष उठाना बंद कर दिया है, बल्कि एक और महत्वपूर्ण मुद्दा भी छोड़ दिया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डालना बंद कर दिया है कि उनके लिए केवल चार जातियाँ हैं – षगरीब, महिला, नौजवानौर किसानष। मोदी ने जाति जनगणना की विपक्ष की मांग का मुकाबला करने के लिए यह नारा उठाया था। लेकिन पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि जमीनी स्तर से मिली प्रतिक्रिया से पता चलता है कि श्केवल चार जातियोंश की बात ने दलितों और आदिवासी लोगों के बड़े हिस्से के लिए आरक्षण के लाभ वापस लेने का डर पैदा कर दिया है। विपक्ष का यह अभियान कि मोदी संविध ान को बदलने और आरक्षण वापस लेने के लिए प्रचंड बहुमत पर जोर दे रहे हैं, ने इस धारणा को मजबूत किया। अब, प्रधान मंत्री विपक्ष, खासकर कांग्रेस पर एससीध्एसटीध ओबीसी के आरक्षण को श्लूटनेश और इसे मुसलमानों को देने की साजिश रचने का स्पष्ट आरोप लगाकर स्थिति को पलटने की सख्त कोशिश कर रहे हैं। ऐसा करने के लिए, प्रधानमंत्री ने कांग्रेस शासित कर्नाटक में लंबे समय से मौजूद प्रावधान का सहारा लिया है, जहां मुसलमानों को व्यापक ओबीसी श्रेणी में शामिल किया गया है। विडंबना यह है कि यह प्रावधान एच.डी. के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किया गया था। देवेगौड़ा, जो अब बीजेपी के सहयोगी हैं. गर्मी का शिकार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत ठीक नहीं है और उनके डिमेंशिया से पीड़ित होने की आशंका है। विपक्ष, विशेषकर राष्ट्रीय जनता दल ने इन अफवाहों का इस्तेमाल यह दावा करने के लिए किया कि भाजपा ने नीतीश को नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा करने से रोक दिया है। कई लोग इस दावे के झांसे में आ गए. संयोग से, नीतीश अप्रैल के मध्य में गया में मोदी की रैली में शामिल नहीं हुए और फारबिसगंज में भी मोदी के साथ नहीं दिखे। हालांकि, बाद में वह पीएम के साथ मुंगेर की एक रैली में पहुंचे। जनता दल (यूनाइटेड) के एक वरिष्ठ नेता ने इन अनुपस्थिति को गर्मी की लहर तक बताया, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी के पूर्व प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि पीएम ने खुद वरिष्ठ नेताओं को अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए कहीं और प्रचार करने के लिए कहा था। जन्मदिन की शुभकामनाएँ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता ईपी जयराजन और केरल के भाजपा प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर के बीच एक मुलाकात जुबान लड़खड़ाने के लिए काफी थी। जबकि लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट के संयोजक जयराजन ने स्पष्ट किया कि यह अवसर उनके पोते की जन्मदिन की पार्टी का था और बैठक बहुत संक्षिप्त थी, यह यात्रा कांग्रेस के लिए काम आई है जो अपने नेताओं के भाजपा में जाने को लेकर निशाने पर है।

रील समानांतर दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. के बाद आम आदमी पार्टी ने बीजेपी को दलित विरोधी करार दिया है. सक्सेना ने दिल्ली में वार्षिक मेयर चुनाव कराने के लिए एक पीठासीन अधिकारी का नामांकन रोक दिया। इस साल यह पद अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है और एलजी ने नामांकन रोक दिया है क्योंकि इसे सीएम अरविंद केजरीवाल ने आगे नहीं बढ़ाया है, जो सलाखों के पीछे से ऐसा करने में असमर्थ हैं। ।।च ने दिल्ली के रुके हुए चुनाव का हवाला दिया है और 2012 में साचा बैरन कोहेन द्वारा निभाए गए द डिक्टेटर की तर्ज पर पीएम मोदी का एक मीम ट्वीट किया है।

पर्यावरण के साथ अर्थव्यवस्था के लिए भी हितकारी

निरंकार

देश में कचरा या अपशिष्ट प्रबंधन एक बहुत बड़ी समस्या है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगर भी इस समस्या से ग्रस्त हैं। दिल्ली के बाहरी इलाके में कई जगह कूड़े–कचरे के पहाड़ देखे जा सकते हैं। लेकिन यह ऐसी समस्या नहीं है कि इसे हल नहीं किया जा सकता है। अब कचरा प्रबंधन एक बहुत बड़ा व्यवसाय बन गया है। सिंगापुर और इंदौर जैसे कुछ शहरों में सुनियोजित तरीके से कचरे का प्रबंधन किया जाता है। दिल्ली सरकार चाहे तो सिंगापुर से कचरा प्रबंधन की सीख ले सकती है। सिंगापुर जैसे देश में भी कचरा प्रबंधन की चुनौती थी। देश की बढ़ती आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ने इस दिशा में मुश्किल खड़ी कर दी थी। वर्ष 2016 में एक दिन में रिकॉर्ड 8,559 टन कचरा इकट्ठा किया गया था। वहीं 2019 में 72 लाख टन से अधिक ठोस कचरा पैदा हुआ। इसमें से 29.5 लाख टन कचरे को रीसाइकल नहीं किया जा सका। यह कचरे की एक बड़ी मात्रा थी, जिसे सावध ानीपूर्वक और कुशलता से प्रबंधित करने की जरूरत थी। पर अब सिंगापुर ने इस समस्या को हल करने का एक आसान तरीका खोज लिया है। सिंगापुर में राष्ट्रीय पर्यावरण एजेंसी (एनईए) सभी सामान्य और खतरनाक कचरे की देखरेख करती है। कचरा इकट्ठा करने के बाद उसे एक भस्मीकरण संयंत्र में एक हजार डिग्री सेल्सियस तापमान पर जलाया जाता है। जलने के बाद जो राख बचती है, उसे ऐसे पानी में बहाया जाता है, जो समुद्र में न मिलता हो। इसके अलावा रीसाइक्लिंग का भी विकल्प है, लेकिन सभी सामग्रियों को रीसाइकल नहीं किया जा सकता है, जैसे पॉलीस्टाइनिन। यही बात खाद बनाने पर भी लागू होती है, क्योंकि केवल जैविक सामग्री, जैसे भोजन और पेड़ के स्क्रैप से ही खाद बनाई जा सकती है। इसलिए भस्मीकरण को सबसे अच्छा उपाय माना जाता है। कचरों को जलाने के क्रम में निकलने वाली जहरीली गैस को वैज्ञानिक तरीके से छान लिया जाता है, जिससे वायु प्रदूषण भी नहीं होता। कचरे के दहन से उत्पन्न गर्मी का उपयोग बिजली उत्पादन में किया जाता है। यहां के लोग खुद ही कागज, प्लास्टिक और कांच के कचरे को रीसाइकल करते हैं।

भारत में 75 प्रतिशत पुनर्नवीकृत करने योग्य कचरे के केवल 30 प्रतिशत का ही पुनर्नवीनीकरण हो पाता है। इसलिए अपशिष्ट प्रबंधन व्यवसाय में विकास की काफी संभावना है। कई उद्यमी कचरे के प्रबंधन और इसे महत्वपूर्ण संसाधानों में बदलने के नए तरीकों के बारे में सोच रहे हैं। बढ़ते घनत्व और तेजी से औद्योगिकीकरण के कारण बड़ी मात्रा में जहरीले और गैर– खतरनाक कचरा उत्पन्न होते हैं। कचरे में कई तरह की वस्तुएं होती हैं। इनमें प्लास्टिक से बनी बोतलें, प्लास्टिक से बनी फिल्में, फोम और कठोर प्लास्टिक रेशे तथा अन्य चीजें शामिल हैं। कुछ नगर पालिकाएं और निगम सामान्य उपयोग के लिए लेबल वाले कंटेनरों को खुले में रखकर आवासीय और वाणिज्यिक ग्राहकों के लिए रीसाइक्लिंग डिब्बे उपलब्ध कराकर रीसाइक्लिंग को सरल बनाते हैं। पुनर्चक्रण के अनगिनत फायदे हैं और अधिक से अधिक चीजों को पुनः उपयोग लायक बनाकर हम अपने ग्रह को साफ करने में मदद कर सकते हैं। रीसाइक्लिंग न केवल पर्यावरण के लिए, बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी अच्छा है। भारत में सामग्री रिकवरी का बाजार प्रति वर्ष 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है और 2024 तक इसके 537.2 लाख डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय रीसाइक्लिंग निर्माता उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। देश में इस समय कचरे की रीसाइक्लिंग प्रबंधन की दस कंपनियां हैं। इनकी प्रमुख सेवाओं में अपशिष्ट संग्रह, पुनर्चक्रण, निष्कासन और खतरनाक रसायनों का संग्रह, ढुलाई, प्रसंस्करण, प्लास्टिक पुनर्चक्रण और विनाश, कंटेनर किराये पर लेना और सुरक्षा एजेंसिया शामिल हैं। अपशिष्ट संग्रह, छंटाई, निपटान और पुनर्चक्रण को संभालने वाली फर्मों के पास यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपकरण हैं कि कचरे का ठीक से निपटान किया जाए। संग्रहीत कचरे को या तो रीसाइकल किया जाता है या खाद बनाई जाती है। यह कार्बन उत्सर्जन को कम करके पृथ्वी एवं पर्यावरण को बचाता है। कुछ व्यवसाय कचरे को रीसाइकल कर उपयोगी और मूल्यवान वस्तुओं में बदल देते हैं। कुशल अपशिष्ट निपटान पर्यावरण को स्वच्छ रखेगा।

किसी भी सुरक्षा जाल से रहित

ललित

समता बिस्वास द्वारा– पुरस्कार विजेता सी ऑफ पॉपीज में, उपन्यासकार अमिताव घोष ने ब्रिटिश उपनिवेशवाद के सुनहरे दिनों के दौरान मॉरीशस के लिए एक जहाज पर सवार होकर 19वीं सदी के गिरमिटिया श्रमिक प्रवासियों की यात्रा को अमर बना दिया, जिन्हें गिरमिटिया कहा जाता था। यह 2024 है। प्रवासी श्रमिकों का एक और समूह सस्ते प्लास्टिक सूटकेस लेकर, सड़क किनारे कबाड़ी बाजारों से खरीदे गए कपड़े पहनकर नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से होकर गुजरता है। वे वादा किए गए एल डोराडो की तलाश में नए युग के गिरमिटिया हैं। वादा किया हुआ देश अपनी सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं और भारत में ट्रेड यूनियनों के बढ़ते विरोध के बीच 60 से अधिक भारतीय निर्माण श्रमिक अप्रैल की शुरुआत में इजराइल के लिए रवाना हुए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कम लागत वाली अजरबैजान एयरवेज की उड़ान, जो इन श्रमिक सेनाओं को तेल अवीव के बाहरी इलाके में ले गई, खचाखच भरी हुई थी। कुछ श्रमिकों को इथियोपियाई एयरवेज की उड़ान में भेज दिया गया, जिसने वादा किए गए देश के लिए और भी अधिक घुमावदार मार्ग अपनाया। इन श्रमिकों ने उनकी सरकार द्वारा भारतीयों को चेतावनी दिए जाने के बावजूद यात्रा की कि इजराइल अब एक युद्ध क्षेत्र है और वहां किसी भी यात्रा से बचना सबसे अच्छा है। मार्च में, भारत सरकार ने प्रवासी श्रमिक पैट निबिन मैक्सवेल की हत्या के बाद इजराइल में भारतीयों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी। लेकिन भारत के श्रमिक–प्रवासी आगे बढ़ते रहे हैं। जब पिछले अक्टूबर में फिलिस्तीन पर इजरायल का युद्ध छिड़ गया, तो इजरायल ने फिलिस्तीनी श्रमिकों के परमिट रद्द कर दिए, और उनके स्थान पर भारत जैसे देशों से लगभग 100,000 प्रवासी श्रमिकों को लाने की मांग की, जिससे दोनों सरकारों के बीच एक समझौता जारी रहा। . जबकि इजराइल द्वारा संघर्ष क्षेत्र में श्रमिकों की भर्ती चिंताजनक है, उससे भी बदतर भारत की अपने श्रमिकों को आग की लाइन में भेजने की इच्छा है। 18,000 से अधिक भारतीय, जिनमें अधिकतर देखभाल कर्मी हैं, पहले से ही इजराइल में काम करते हैं। अन्य 6,000 को अप्रैल में उनके साथ जुड़ना था। कुछ रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि शेष के लिए यात्रा योजनाएँ रुकी हुई हैं। भारत सरकार की मंशा – जिसने सक्रिय रूप से अपने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के तहत इजराइल में भारतीय श्रमिकों की भर्ती की सुविधा प्रदान की – सवालों के घेरे में आ गई। इसका उत्तर ब्रिटिश उपनिवेशवाद के तहत और स्वतंत्रता के बाद, अपने प्रवासी श्रमिकों के साथ भारत के तनावपूर्ण संबंधों में पाया जा सकता है। अशांत इतिहास 19वीं शताब्दी में गुलामी के उन्मूलन की दिशा में पहला कदम उठाए जाने के बाद, ब्रिटेन ने उपनिवेशों में चीनी, कॉफी, रबर, चाय और कपास के बागानों, रेलवे ट्रैक बिछाने और खनन में काम करने के लिए औपनिवेशिक भारत से 1 मिलियन से अधिक श्रमिकों की भर्ती की। दुनिया भर में, कैरेबियन से लेकर प्रशांत महासागर तक और साथ ही भारत में भी। गिरमिटिया श्रमिकों ने तीन से पांच साल के लिए अनुबंध किया। उन्हें एक निश्चित धनराशि अग्रिम दी जाएगी और अंत में वे निःशुल्क घर जाने के हकदार होंगे। महान गंगा के मैदानों में, आर्थिक संकट में फंसे हजारों कृषि श्रमिक समुद्री यात्राओं में शामिल हो गए, जो 1917 तक जारी रहने वाली व्यवस्था का हिस्सा था। सरकार के लिए, उन्हें कुली के रूप में जाना जाने लगा। जबकि श्रमिकों को ब्रिटिश भारतीय सरकार का विषय माना जाता था, वास्तव में बागान लॉबी और वाणिज्यिक हितों का इस प्रणाली में काफी प्रभाव था। अनुबंध ा के लिए साइन अप करने के क्षण से, श्रमिकों को कई अधिकारियों के अधीन किया गया, जिनमें श्रमिक भर्तीकर्ता, एजेंट, जहाज के कप्तान और अंततः बागान मालिक शामिल थे। वृक्षारोपण कार्य और अन्य कार्य अक्सर जोखिम भरे और कठिन होते थे। एकल महिलाओं की उपस्थिति को अनैतिक माना गया, जिसके कारण भारतीय राष्ट्रवादियों ने इस व्यवस्था को समाप्त करने की मांग की। कुछ टिप्पणीकारों ने गिरमिटियापन को ष्गुलामी की नई व्यवस्थाष कहा है, जबकि अन्य का तर्क है कि गिरमिटिया कर्ज में डूबे संयुक्त प्रांत या आधुनिक बिहार में गरीबी और भूख के जीवन से बेहतर थी। 1914 और 1918 के बीच, प्रथम विश्व युद्ध में पांच लाख से अधिक भारतीयों ने गैर–लड़ाकों के रूप में हस्ताक्षर किए, चिकित्सा, आयुध और परिवहन सेवाओं में घास काटने वाले, लोहार, पशु चिकित्सा कर्मियों के रूप में और विभिन्न अन्य नौकरियों में काम किया, जिन्हें और इसके आसपास करने की आवश्यकता थी। एक रेजिमेंट। इनमें जेलों से भर्ती किए गए कुलियों के साथ–साथ संयुक्त प्रांत, बिहार, असम, बंगाल, उड़ीसा, बर्मा और उत्तर पश्चिमी सीमांत प्रांत से भारतीय पोर्टर कोर और भारतीय श्रम कोर में शामिल होने वाले युवा भी शामिल थे – इनमें से अधिकांश समान थे जलग्रहण क्षेत्र जो गिरमिटिया श्रमिकों की आपूर्ति करता था। प्रथम विश्व युद्ध में 17,000 से अधिक भारतीय गैर–लड़ाके मारे गए। घायलों को इलाज के लिए नस्लीय रूप से अलग कर दिया गया, जो अंग्रेजों की देखभाल के मानकों के अनुरूप नहीं था। गिरमिटिया श्रमिकों की तरह, जिन्हें संप्रभु ब्रिटिश–भारतीय प्रजा के रूप में उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया था, या प्रथम विश्व युद्ध के दौरान बाहर भेजे गए श्रमिकों की तरह, इजराइल में प्रवासी श्रमिक ईरान के साथ चल रहे युद्ध और नए विकसित हो रहे संकट के बीच बिना किसी सुरक्षा जाल के काम पर जाएंगे। जगह में। वर्तमान का संकट जहाँ तक आधुनिक मजदूरों की बात है, इजराइल जैसे संघर्ष क्षेत्र में काम करने के लिए साइन अप करने की उनकी इच्छा उनके गंभीर वित्तीय संकट का प्रमाण है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि बेरोजगार भारत में युवा वर्ष 2000 में 35.2 प्रतिशत से लगभग दोगुना होकर 2022 में 65.7 प्रतिशत हो गया है। 2020 के कोविड लॉकडाउन और कृषि से लेकर निर्माण तक विभिन्न असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत प्रवासी श्रमिकों के शानदार संकट ने उनके रोजगार की अनिश्चित प्रकृति और उनकी कमजोर आय को दिखाया। इजराइल में नौकरियों के लिए चुने गए निर्माण श्रमिकों को मीडिया में यह कहते हुए उद्धृत किया गया था।

निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन के प्रेक्षक पहुचे जौनपुर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 हेतु नामित प्रेक्षक महोदय का आगमन जनपद में हो गया है। लोकसभा 74–मछलीशहर हेतु नामित मा० प्रेक्षक महोदय श्री कृष्ण कुमार पी, लोक निर्माण विभाग गेस्ट हाउस लाइन बाजार जौनपुर के कक्ष सरस्वती में ठहरे हुए हैं। मा० प्रेक्षक जी का मोबाइल नम्बर 9235926819 है। मा० प्रेक्षक महोदय से अपराह्न 4.30 से 6.00 बजे के मध्य निर्वाचन सम्बन्धी विषय पर संपर्क किया जा सकता है, जिनके लाइजनिंग ऑफिसर श्री राम निवास पांडेय है जिनका मोबाइल नंबर 7235003152 है। लोकसभा 73–जौनपुर हेतु नामित मा० प्रेक्षक महोदय श्री मुण्डे राजेश बालाजी राव का भी आगमन हो चुका है। मा० प्रेक्षक महोदय लोक निर्माण विभाग गेस्ट हाउस लाइन बाजार जौनपुर के कक्ष सरयू में रुके हैं, जिनका मोबाइल नंबर 9235912667 है, और लाइजनिंग ऑफिसर सहायक आयुक्त राज्यकर श्री संतोष कुमार तिवारी है जिनका मोबाइल नंबर 7235003188 है। मा० प्रेक्षक से प्रतिदिन अपराह्न 4.30 बजे से 6.00 बजे के मध्य निर्वाचन सम्बन्धी विषय पर संपर्क किया जा सकता है।

उच्च शिक्षा राज्यमंत्री के काफिले में शामिल एस्कार्ट ने तीन को रौंदा

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना) थाना शाहाबाद क्षेत्र के ग्राम ककरघटा के पास से गुजर रहे उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के काफिले की पुलिस स्कोर्ट ने तीन बाइक सवारों को कुचल दिया। जिनमें एक डेढ़ साल का मासूम बच्चा भी शामिल है। सभी घायलों को आनन–फानन में सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर हालत में तीनों को मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया है।इंस्पेक्टर राजदेव मिश्र के अनुसार आज शाहाबाद क्षेत्र के ग्राम रामपुर हृदय निवासी रमेश 42 वर्ष पुत्र रामकरन, सुमित 50 वर्ष पुत्र मदनपाल डेढ़ साल के लड़के कृष्णा पुत्र सुमित को लेकर बाइक से ग्राम ककरघटा जा रहे थे। ककरघटा गांव के पास पहुंचते ही पीछे से आ रहे मंत्री के काफिले में शामिल उनकी एस्कॉर्ट ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे बच्चे सहित बाइक सवार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। आनन फानन में बाइक सवारों को सीएचसी शाहबाद ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सभी को मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया।

लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दौरान सम्भावित भीषण गर्मी, लू के दृष्टिगत क्या करें, क्या न करें

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। ग्रीष्म ऋतु में भीषण गर्मीध्लूध्हीट वेव के कारण मतदाताओं को स्वास्थ्य जनित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आवश्यक है कि इनसे बचते हुए अधिकाधिक संख्या में मतदेय स्थलों पर पहुँचकर मतदान करने के लिए मतदान दलों एवं मतदाताओं के मध्य निम्नलिखित सावधानियों के बारे में जागरुकता सुनिश्चत किया जाए। क्या करें/क्या न करें – मतदान दिवस 19 अप्रैल, 2024 से प्रारम्भ होकर 1 जून, 2024 तक तय किए गए हैं। इन दिवसों पर भीषण गर्मी की सम्भावना है। पोलिंग पार्टी प्रस्थान एवं मतदान दिवसों पर सभी मतदान कार्मिक हल्के सूती वस्त्रों का प्रयोग करें एव अपने साथ तेज धूप से बचाव हेतु छाता एवं सर को ढकने के लिए सफेद सूती गमछा या अन्य कोई कपड़ा रखें। पैरों में आरामदायक जूते या चप्पल पहनें। अपने साथ पीने योग्य शीतल जल का बोतल रखें, समय–समय पर आवश्यकतानुसार सादा जल, नींबू पानी या ओआरएस का प्रयोग कर अपने आपको तरो ताजा रखें। तेज धूप से बचने हेतु अन्य protective हमंत जैसे टोपी, हैट, काला चश्मा, छाता आदि का प्रयोग करें। अत्यधिक चाय, कॉफी या कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक का सेवन न करें, इनसे शरीर में पानी की मात्रा कम होने की संभावना रहती है। बासी भोजन से बचें, हल्के एवं ताजे बने भोजन लें। प्रत्येक मतदान दल को थ्पतेज–पक किट प्रदान की जाएगी, आवश्यकतानुसार उसमें उपलब्ध ओआरएस मतदान दल के कर्मियों अथवा जरूरतमंद मतदाताओं को मानक के अनुसार जल में घोलकर पिला दें। प्रत्येक मतदेय स्थल पर न्यूनतम 5 मी. गुणे 5 मी. क्षेत्रफल के छाया की व्यवस्था करा दें तथा वहां पर्याप्त सं० में कुर्सी, दरी आदि रखवा दें ताकि तेज धूप से बचने के लिए मतदाता अपनी बारी आने तक छाया में इंतजार कर सकें। छाया की व्यवस्था इस प्रकार करें कि मतदेय स्थलों के ठीक सामने लगने वाली कतार छाया में ही स्थित हो।

बुजुर्गों, महिलाओं जिनके साथ छोटे बच्चे हों तथा निःशक्त व्यक्तियों के लिए मतदान में प्राथमिकता दी जाए ताकि उन्हें भीषण गर्मी में अधिक देर तक अपने घर के बाहर न रहना पड़े। ऐसे मतदाताओं के लिए प्रत्येक 4–5 मतदाताओं के उपरान्त कुर्सी की व्यवस्था भी कतार के बगल में रखी जाए ताकि उन्हें अधिक असुविधा का सामना न करना पड़े। मतदान केन्द्र पर हर हाल में पेयजल की उपलब्धता रहे, यथासंभव कतारबद्ध वरिष्ठ नागरिकों, निःशक्तजनों आदि के लिए स्वयंसेवियों के माध्यम से लगातार पानी पिलाने की व्यवस्था भी की जाए। स्वयंसेवी के रूप में किसी राजनैतिक व्यक्ति/कार्यकर्ता/उम्मीदवार से संबद्ध व्यक्ति को कदापि अनुमन्य न किया जाए। मतदाताओं से अपेक्षा है कि मतदान दिवस को सुबह तेज धूप निकलने से पहले अधिक संख्या में मतदेय स्थलों पर कतारबद्ध होकर मतदान करें। यदि किसी कारण से धूप के समय मतदान करना पड़ता है तो अपनी सुरक्षा के लिए सर को ढकने हेतु सूती गमछा वस्त्र तथा छाते का प्रयोग करें। पीने का पानी आवश्यकतानुसार साथ रख सकते हैं। जरूरत होने पर मतदान दल के पास उपलब्ध ओआरएस का घोल बनाकर पीने से तुरन्त राहत प्राप्त कर सकते हैं। हीट स्ट्रोक के सम्बन्ध में डूज एण्ड डोन्ट का हैण्ड बिल तैयार कराकर सभी मतदान कार्मिकों को उपलब्ध करा दिया जाए। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ एक पैरा मेडिकल स्टाफ भी रखने का प्रयास किया जाए जो आवश्यक दवायें साथ रखे। मतदान के लिए मतदेय स्थल पर आते समय अपनी मतदाता पर्ची, फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र अथवा अन्य वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान पत्र अवश्य साथ में लाएं। इससे मतदान की प्रक्रिया शीघ्रता से सम्पन्न हो जाएगी।

वित्तीय अनियमिता में प्रधानाध्यापक का वेतन रोकते हुये विभागीय जाँच प्रारम्भ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल द्वारा विकासखंड मुंगराबादशाहपुर के प्राथमिक विद्यालय पाण्डेयपुर का औचक निरीक्षण पूर्वान्ह 7.50 बजे किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के औचक निरीक्षण में सहायक अध्यापक सुनील कुमार सिंह 27 अप्रैल 2024 से निरीक्षण तिथि तक एवं सहायक अध्यापक संदीप कुमार सिंह एवं विनोद कुमार यादव निरीक्षण के दौरान विद्यालय पर अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक शशिधर मिश्रा द्वारा उक्त अनुपस्थित शिक्षकों की अनुपस्थिति कार्मिक उपस्थित पंजिका में दर्ज नहीं की गई प्राप्त हुई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर गोरखनाथ पटेल द्वारा उपरोक्त अनुपस्थित शिक्षकों की अनुपस्थिति ऑनलाइन प्रेरणा निरीक्षण मॉड्यूल पर दर्ज करते हुए 27 अप्रैल 2024 से निरीक्षण तिथि तक अनुपस्थित सहायक अध्यापक सुनील कुमार सिंह के विरुद्ध कार्यवाही की गई। विद्यालय में कार्यरत शेष अन्य कर्मचारी विद्यालय पर उपस्थित पाए गए। विद्यालय में नामांकित कुल 205 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 10 छात्र विद्यालय में उपस्थित पाए गए। जबकि गत तीन कार्य दिवसों में मध्यान्ह् भोजन पंजिका में क्रमशः 56, 65, 55 लाभार्थी छात्रों की संख्या विद्यालय द्वारा दर्ज की गई पाई गई। विद्यालय को प्राप्त कुल कंपोजिट धनराशि 75000 के सापेक्ष प्रधानाध्यापक द्वारा आय–व्यय पंजिका गत शैक्षिक सत्र 2023–24 से अद्यतन नहीं की गई प्राप्त हुई। विद्यालय में बाउंड्रीवॉल निर्माण का कार्य प्रगति पर पाया गया। बीएसए द्वारा निर्माण कार्य का अवलोकन किए जाने पर पाया गया कि निर्माण प्रभारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा बाउंड्रीवॉल के निर्माण में शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य नहीं कराया जा रहा है। विद्यालय में अध्यनरत छात्रों का अधिगम स्तर संतोषजनक नहीं पाया गया। विद्यालय के अतिरिक्त कक्षा–कक्ष के पीछे गंदगी इकट्ठी पाई गई। विद्यालय में उपरोक्त कमियां पाए जाने के परिणाम स्वरूप जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल द्वारा विद्यालय के प्रधानाध्यापक शशिधर मिश्रा का वेतन बाधित करते हुये विभागीय कार्रवाई प्रारम्भ कर दिया गया।

देश की 400 सीटें जीतकर एक बार फिर प्रचंड बहुमत से भाजपा सरकार बनने जा रही है – केशव प्रसाद मौर्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सूबे के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को नगर के बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में जौनपुर लोकसभा और मछलीशहर संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशियो क्रमशः कृपाशंकर सिंह व बीपी सरोज की संयुक्त नामांकन सभा को संबोधित किया। उन्होंने सभा मे मौजूद लोगों से दोनो प्रत्याशियो को भारी मतों से जिताने की अपील किया। पत्रकारों से बातचीत में पूरे दावे के साथ कहाकि जौनपुर मछलीशहर समेत प्रदेश की 80 सीटें बीजेपी जीत रही तथा देश की 400 सीटें जीतकर एक बार फिर प्रचंड बहुमत से भाजपा सरकार बनने जा रही है। 2014 में मोदी जी की हवा थी 2019 में अंधी थी इस बार मोदी जिनके नाम का तूफान चल रहा है। कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र के सवाल पर कहाकि उनका घोषणा पत्र मुस्लिम लीग की तरफ जा रही है पिछडो का आरक्षण मुसलमानों को देने जा रही है। ये संविधान का अपमान है बाबा साहब अंबेडकर का अपमान है और ओबीसी के आरक्षण पर डांका डालने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के जिन गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है, चार जून के बाद ऐसे 3 करोड लोगों को प्रधानमंत्री आवास मिलेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक देश, एक चुनाव की पहल की, इसके साथ ही सबके लिए एक कानून हो समान नागरिकता कानून लाने के लिए 400 पार चाहिए। कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने की प्रशंसा करते हुए श्री मौर्य ने कहा कि पाक के कब्जे वाला कश्मीर भारत का अखंड हिस्सा है और हमारी सरकार जब तक वहां तिरंगा नहीं फहरा लेती तब तक हम चौन से नहीं बैठेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत पर आज दुनिया की नजर है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेता हैं, इसलिए भारत का दुनिया में डंका बज रहा है। कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यह वही भारत है जो कांग्रेस के नेतृत्व में एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सका, 10 साल मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ा है। मोदी की गारंटी के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था पांचवें स्थान से तीसरी बार मोदी के प्रधानमंत्री बनते ही तीसरे स्थान पर अर्थव्यवस्था होगी।

उन्होंने कहा कि पिछले 7 वर्षों में डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश में ताबड़तोड़ विकास करके प्रदेश की एक नई छवि को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है, तभी तो आज जन–जन को सिर्फ मोदी जी की गारंटी पर भरोसा है, इसलिए कमल के फूल के बटन को दबाकर मोदी जी की गारंटी को हर गरीब तक पहुंचाने में मदद कीजिए। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सारे भ्रष्टाचारी नाराज हो गए भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए यह कदम उठाया गया ।

श्री मौर्य ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश एवं देश में 2047 तक भारत सरकार रहेगी। लोकसभा चुनाव 2024 को महाभारत युद्ध की संज्ञा देते हुए उन्होंने कहा कि एक तरफ 20 फीसदी तो दूसरी तरफ 80 प्रतिशत लोग हैं और इस 100 प्रतिशत में से 80 फीसदी हमारा बकिया और 20 फीसदी में बंटवारा उसमें भी हमारा है। उन्होंने कहा कि आज माफिया और गुंडा प्रदेश छोड़कर चले गए कुछ जेल में हैं। उन्होंने कहा कि जब भ्रष्टाचारियों और दंगाइयों के खिलाफ कार्रवाई होती है तो विपक्षी बौखला जाते हैं।

पीयू के दो शिक्षक आईआईटी में शोध अध्येता हेतु चयनित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर को दो शिक्षकों का चयन आई आई टी दिल्ली में शोध अध्येता के लिए हुआ है। इसके अंतर्गत परिसर स्थित रज्जू भइया संस्थान के भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग के शिक्षक डा. श्याम कन्हैया आई आई टी दिल्ली के एटमास्फेरिक साइंस विभाग की डा. यामा दीक्षित के साथ शोध कार्य करेंगे तथा गणित विभाग के सौरभ कुमार सिंह आई आई टी दिल्ली में गणित विभाग के प्रो. विप्लव बसक के साथ शोध कार्य करेंगे। उक्त शोध अध्ययन की अवधि दो माह की होगी जिसमें वह अपने विषय से संबंधित शोध करेंगे। इस फेलोशिप प्रोग्राम में देश भर से 147 लोगों

का चयन हुआ है जो विज्ञान की विभिन्न विधाओं पर शोध करेंगे।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा है कि यह विश्वविद्यालय के शिक्षकों में शोध की गुणवत्ता एवं अनुसंधान के प्रति गहरे लगाव को प्रदर्शित करता है. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षक आज अपने शोध कार्यों के चलते अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे है. रज्जू भइया संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मनोज मिश्र, विभागाध्यक्ष डा. नीरज अवस्थी, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर सहित समस्त शिक्षकों ने बधाई दी है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर डॉ0 लक्ष्मी सिंह ने जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर के हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर गोधना का निरीक्षण किया गया। नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस टीम द्वारा सर्टिफिकेशन हेतु उक्त केंद्र का मूल्यांकन किया जाना है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर की साफ–सफाई एवं रंगाई–पुताई इत्यादि का निरीक्षण किया गया।

उन्होंने विभिन्न बीमारियों एवं उनसे बचाव तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं की जानकारी हेतु प्रदर्शित बैनर एवं वॉल राइटिंग का भी निरीक्षण किया। केंद्र पर उपलब्ध सभी आवश्यक दवा जैसे हार्ट, ब्लड प्रेशर, शुगर एवं अन्य आवश्यक दवाओं की उपलब्धता को देखा गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के प्रसव कक्ष का भी निरीक्षण किया। प्रसव कक्ष की साफ–सफाई इत्यादि पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण संबंधित जांचों को लेकर उन्होंने सीएचओ से जानकारी लिया एवं आवश्यक सुधार हेतु दिशा–निर्देश दिया। उन्होंने नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस द्वारा निर्धारित सभी मानकों को पूरा करने को कहा जिससे कि वैलनेस सेंटर को क्वालिटी एश्योरेंस का सर्टिफिकेट दिलाया जा सके। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अतिरिक्त मंडलीय क्वॉलिटी एश्योरेंस मैनेजर डॉक्टर तनवीर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सत्यव्रत त्रिपाठी, जिला क्वालिटी एश्योरेंस मैनेजर डॉ0 क्षितिज पाठक इत्यादि उपस्थित रहे।

केंद्र व प्रदेश सरकार की तमाम योजनाओं को जनता तक ले जाना है मेरी पहली प्राथमिकता - कृपा शंकर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सदर लोक सभा के लिए बीजेपी उम्मीदवार कृपा शंकर सिंह ने सोमवार को भरी गहमा गहमी के बीच चार सीटों में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह सहित तमाम भाजपा की नेता भी मौजूद रहे ।पत्रकारों से बात करते हुए उम्मीदवार कृपा शंकर सिंह ने कहा कि उनका प्रमुख उद्देश्य केंद्र व प्रदेश सरकार की तमाम योजनाओं को जनता तक ले जाना है साथ ही जनपद में तमाम ऐसे विकास कार्य हैं जिनको भी आगे बढ़ाना है सबसे अहम हमारे लिए है कि जो लोग रोजी– रोजगार के सिलसिले में बाहर जाते हैं उनको बाहर न जाना पड़े। प्रधानमंत्री जी का नारा है कि जब तक प्रत्येक घर के एक– व्यक्ति को को नौकरी न मिल जाए तब तक फ्री का राशन दिया जाता रहेगा जब तक प्रत्येक व्यक्ति घर छत ना हो जाए तब तक आवास योजना जारी रहेगी प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चलाई जा रही तमाम जन कल्याणकारी योजनाएं मुफ्त राशन योजना आवास योजना उज्ज्वला योजना किसान सम्मन निधि योजना का सही से क्रियान्वयन करना मेरी प्राथमिकता है। जो भी जनपद में विकास कार्य रुके हैं उसे पूरा करना है। मेरी टक्कर किसी से नहीं है जो विकास कार्य में में अवरोध उत्पन्न करेगा मेरी टक्कर उसीसे है।

सांसद पुत्र व पुत्रवधु ने माँगा जनता का आशीर्वाद

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)

आज सदर सांसद जयप्रकाश की बहू दिव्या प्रकाश व पुत्र अनुज प्रकाश ने लोकसभा हरदोई में साण्डी विधानसभा के अंतर्गत ब्लॉक सुरसा के विभिन्न गाँवों में जाकर लोगो से वोट और जनसमर्थन माँगा और जनसम्पर्क के दौरान क्षेत्र के बुजुर्गो, महिलाओं।व गणमान्य नागरिकों से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस जनसंपर्क के दौरान युवाओ ने बढ़ चढ़ कर साथ दिया व महिलाओं का भी स्नेह मिला। इस मौके पर अनुज प्रकाश ने कहा कि ग्रामवासियो का ये उत्साह, उमंग और ऊर्जा देखकर तो लगता है कि जनता

भारतीय जनता पार्टी का भरपूर साथ दे रही है। इस जनसंपर्क के अवसर पर प्रदीप पाठक, रजनीश वर्मा मंडल अध्यक्ष सुरसा, शिवनाथ बाबू, विजय रावत, सुशील पासी, प्रधान मनोज वर्मा, मिही लाल प्रधान आदि मौजूद रहे।

सर्विलांस/क्राइम टीम (डीसीपी उत्तरी) व थाना गाजीपुर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा इलेक्ट्रानिक उपकरण की दुकान का शटर तोड़कर चोरी करने वाले 03 शातिर चोरों को किया गया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस०बी० शिरडकर, पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा कानून व्यवस्था से सम्बन्धित वाँछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं घटित घटनाओं के त्वरित सफल अनावरण किये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुक्रम में अभिजित आर0 शंकर, पुलिस उपायुक्त (उत्तरी), कमिश्रेरेट लखनऊ, जितेन्द्र कुमार दुबे, अपर पुलिस उपायुक्त (उत्तरी) कमिश्रेरेट लखनऊ, के दिशा– निर्देशन में एवं विकास कुमार जायसवाल, सहायक पुलिस आयुक्त गाजीपुर, कमिश्नरेट लखनऊ के निकट पर्यवेक्षण में विकास राय, प्रभारी निरीक्षक, थाना गाजीपुर, कमिश्नरेट लखनऊ व क्राइमध्सर्विलांस टीम प्रभारी (उत्तरी) विश्वनाथ प्रताप सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना गाजीपुर पुलिस टीम द्वारा जी–20 शिवानी पैलेस में इलेक्ट्रानिक उपकरण की दुकान का शटर तोड़कर चोरी करने वाले अभियुक्तगणों को कैलाश कुंज थाना गाजीपुर लखनऊ से किया गया गिरफ्तार। घटना का संक्षिप्त विवरण बताते हुए डीसीपी नॉर्थ अभिजित आर शंकर ने कहा कि थाना स्थानीय पर दिनाँक 27/04/2024 को वादी मुकदमा नीरज अग्रवाल पुत्र स्व० सुरेश कुमार अग्रवाल निवासी ए–1093/12 इन्दिरानगर थाना गाजीपुर लखनऊ की तहरीरी सूचना बावत अज्ञात चोरों द्वारा ळ–20 शिवानी पैलेस में ओंकार एजेन्सीज के नाम से इलेक्ट्रानिक उपकरण की दुकानका शटर तोड़कर तार व अन्य सामान चोरी कर लेने के सम्बन्ध में मु0अ0सं0 0170/2024 धारा 457/380 भादवि पंजीकृत किया गया। घटना को चुनौतीपूर्ण लेते हुए थाना गाजीपुर पुलिस टीम द्वारा जमीनी सूचनातंत्र व सीसीटीवी फुटेज आदि का सहारा लेते हुए दिनाँक 29/04/2024 को थाना गाजीपुर लखनऊ क्षेत्र में मौजूद थे कि जरिए अभिसूचक सूचना प्राप्त हुई कि जिन संदिग्धों की सीसीटीवी फोटो आपने मुझे दी थी उनके बारे में जानकारी लगी है वह दोनों उसी मोटर साइकिल जिससे वह चोरी का सामान चुरा कर ले जाते हुए दिखायी दे रहे थे, इस समय कैलाश कुंज कबाड़ी की दुकान की तरफ आ रहें है। इस सूचना पर विश्वास कर पुलिस बल द्वारा अभिसूचक के बताये गये स्थान कैलाश कुंज कबाड़ी की दुकान के पास पहुँचे और आड़ लेकर खड़े हो गये तभी अभिसूचक मोटर साइकिल से आ रहे संदिग्ध की तरफ इशारा करके बताया कि यही वह लोग है जिन्होने चोरी की थी और चला गया। पुलिस बल द्वारा मोटर साइकिल पर आ रहें दोनों लड़के को रुकने का इशारा किया तो हड़बड़ाहट में गाड़ी मोड़ कर पीछे की तरफ भागने का प्रयास किये कि पुलिस बल द्वारा दोनो व्यक्तियों को घेर–घार कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में मोटर साइकिल चला रहे लड़के ने अपना नाम उमाशंकर तिवारी पुत्र रामू तिवारी निवासी सचिवालय कालोनी बादशाहनगर के सामने झोपड़ पट्टी थाना महानगर लखनऊ उम्र करीब 29 वर्ष तथा दूसरे ने अजय कुमार पुत्र शिवकुमार निवासी निशातगंज में इंदिराब्रिज के नीचे फुटपाथ पर थाना महानगर लखनऊ उम्र करीब 25 वर्ष बताया, जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त लोहे की राड, एक पीतल की मूर्ति तथा एक CROMPTAN COMPANY का टुल्लू पम्प बरामद हुआ ।जिसके सम्बन्ध में पूछने पर बताया कि साहब हम दोनो ने मिलकर लेखराज मैट्रोस्टेशन के पास एक इलेक्ट्रानिक उपकरण की दुकान में चोरी की थी जिसमें से चुराया हुआ टुल्लू जो मेरे पास में मौजूद है उसे बेचने यही कबाड़ी की दुकान पर आ रहे थे कि आपने पकड़ लिया और चोरी के अन्य सामान को कबाड़ी की दुकान पर बेंच दिया है। पकड़े गये व्यक्ति को साथ लेकर कबाड़ की दुकान पर बैठे व्यक्ति के पास पहुँचे तो पकड़े गये व्यक्तियों ने इशारा करके बताया कि इसी को हमने सामान बेंचा था। दुकान पर बैठे व्यक्ति से नाम पता पूछा गया तो अपना नाम मंसूर आलम पुत्र जाबिर निवासी म0न0 50 कैलाशकुंज थाना गाजीपुर लखनऊ उम्र 21 वर्ष बताया तथा सामान के सम्बन्ध में पूछने पर इन्कार करने लगा, हिकमत अमली से पूछने पर बताया कि साहब दिनाँक 27/04/2024 को दोपहर में यह दोनो लोग इसी मोटरसाइकिल से तार के बंडल पन्नी में पैक लेकर मेरे पास बेचने आये थे जिन्हे मैने 6000/– रूपये में खरीदा था, तार के बंडल के बारे में पूछा गया तो बताया कि साहब तार के बंडल को देखकर मेरे मन में लालच आ गया था और मैने इनसे तार सस्ते दाम में खरीद लिया था जिसमें से कुछ तारों के बंडल को मैने छील कर ताँबा निकाल लिया है तथा कुछ बंडल शेष है। तत्पश्चात मंसूर आलम उपरोक्त द्वारा चोरी के तारों के बंडल व कुछ छीले हुए तार के ताँबा

बरामद कराया। अभियुक्तगण के पास से बरामद मोटरसाइकिल के सम्बन्ध में पूछा गया तो बताया कि एक सप्ताह पहले मेडिकल कालेज के पास से चुराया था जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि मोटरसाइकिल संख्या UP 44 AQ 1494 सुपर स्पेलण्डर की चोरी होने के सम्बन्ध में थाना वजीरगंज में मु0अ0सं0 135/24 धारा 379 भा दवि पंजीकृत है। अभियुक्तगण को उनके जुर्म से अवगत कराते हुए समय करीब 08.30 बजे हिरासत पुलिस लिया गया, जिनके विरूद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अपोलोमेडिक्स और लखनऊ ट्रैफिक पुलिस ने आयोजित किया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, लखनऊ ने लखनऊ ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से एक सफल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का आयोजन शहर के ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए किया गया।

शिविर में, पुलिसकर्मियों को मुफ्त स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें आंखों की जांच, रक्तचाप, शुगर लेवल और ईसीजी की जांच शामिल थी। शिविर में अपोलोमेडिक्स की तरफ से चिकित्सक, आहार विशेषज्ञ और फिजियोथेरेपिस्ट उपस्थित थे,जिन्होंने पुलिस कर्मियों को पोषण और स्वस्थ जीवनशैली के बारे में भी सलाह दी। शिविर में कुल 180 पुलिसकर्मियों की जांच की गई। अपोलोमेडिक्स के एमडी और सीईओ, डॉ. मयंक सोमानी ने कहा, हमें लखनऊ ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर इस स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन करने की काफी प्रसन्नता हैं। हमारे शहर को सुरक्षित और ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने में पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि वे स्वस्थ रहें और अपना काम कुशलतापूर्वक कर सकें।

ग्रामोदय इंटर कालेज की प्रदेश टॉपर को विधायक अभय सिंह ने किया सम्मानित

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त करने वाली ग्रामोदय इंटर कॉलेज रामपुर सर्धा अयोध्या की छात्रा सुहानी को उसके निवास स्थान खपरैला बाजार में सम्मानित करने के उपरांत संबोधित करते हुए श्री अभय सिंह माननीय विधायक गोसाईगंज ने कहा कि परिश्रम ही हर एक सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारित करके सही दिशा में परिश्रम करने से निश्चित ही सफलता प्राप्त होती है। माननीय विधायक जी ने आगे की पढ़ाई के लिए 25 हजार रुपए प्रदान कर छात्रा एवं उनके माता–पिता को सम्मानित किया।इस अवसर ग्रामोदय ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ संदीप सिंह जी ने अपना आशीर्वाद देते हुए कहा कि सच्ची लगन और समय के सदुपयोग से जीवन में हर एक बाधा को पार करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। ग्रामोदय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री पी एन सिंह जी ने अपने संबोधन में कहा कि छात्रा सुहानी ने यह सिद्ध कर दिया की सीमित साधनों में भी शिक्षकों के कुशल दिशानिर्देश एवं कर्म शीलता से वांछित सफलता अर्जित की जा सकती है।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक श्री उग्रसेन सिंह,श्री राकेश वर्मा, श्रीराम करन वर्मा, श्री राजेश वर्मा, श्री लोकनाथ त्रिपाठी कृष्ण कुमार सिंह ,चंद्रमणि यादव कौशलेंद्र पाल ,श्रीमती अनीता यादव, उमेश मौर्य ,अशरफ अहमद, अजीत वर्मा एवं भारी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एसएसटी व एफएसटी टीम द्वारा लगातार चलाया जा रहा सघन चेकिंग अभियान

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।लोकसभा चुनाव को देखते हुए एसएसपी राज करन नय्यर के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्रों व अन्य मार्गों पर स्टैटिक सर्विलांस टीम व फ्लाइंग स्क्वॉड टीम द्वारा प्रतिदिन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को जिले के सभी थाना क्षेत्रों व मार्गों पर स्टैटिक सर्विलांस टीम व फ्लाइंग स्क्वॉड टीम के संयुक्त सदस्यों ने चेकिंग अभियान चलाया।इस टीम में शामिल सदस्यों ने इधर से गुजरने वाले सभी छोटी बड़ी वाहनों का बारीकी से चेकिंग किया।बताते चलें कि लोकसभा चुनाव को लेकर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में यह चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।सोमवार को कोतवाली नगर क्षेत्र के अलावा कैंट,रौनाही,पटरंगा, महाराज गंज, पूरा कलंदर, बीकापुर, इनायत नगर, कुमारगंज,खंडासा, तारुन, हैदरगंज, बाबा बाजार, गोसाईगंज सहित अन्य थाना क्षेत्रों में स्टैटिक सर्विलांस टीम व फ्लाइंग स्क्वॉड टीम के सदस्यों ने संयुक्त रुप से चेकिंग अभियान चलाया। इससे संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान पिछले एक सप्ताह से चलाया जा रहा है। जो लोकसभा चुनाव के दौरान सभी थाना क्षेत्रों में चलता रहेगा। उन्होंने सभी लोगों से अपील किया है कि वे सभी लोग अपने साथ उतना ही सामान व रुपया लेकर चले जिससे उन्हें चेकिंग के दौरान किसी भी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

संस्कारवान शिक्षा आवश्यक - रमेश मिश्र

विशेष संवाददाता
जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज, जौनपुर। समाज में शिक्षा का बहुत बड़ा योगदान है। विद्यालयों के माध्यम से बच्चे शिक्षा तो ग्रहण करते हैं साथ ही साथ संस्कारवान भी बनते हैं। उनके अंदर देश, समाज, माता–पिता के प्रति कुछ कर गुजरने का हौसला बढ़ता है। उक्त बातें बदलापुर के विधायक रमेश मिश्र ने जे0पी0 इंटरनेशनल स्कूल सुजानगंज में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। वार्षिकोत्सव के कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर प्रारंभ किया गया। बच्चों के द्वारा शिक्षा, बाल मजदूरी, वृद्धाश्रम, भगवान राम के संकीर्तन, पिरामिड आदि जैसे अनेक सुंदर कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया। अतिथियों के द्वारा विद्यालय के प्रतिभावान बच्चों को सीबीएसई जिला कोऑर्डिनेटर रुचि शर्मा द्वारा पुरस्कृत किया गया। बच्चों के कार्यक्रम से अभिभूत होकर जिला कोऑर्डिनेटर रुचि शर्मा ने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। वहां पर जिले के उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधकों को विद्यालय के प्रबंधक डॉ0 जयप्रकाश तिवारी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। आए हुए अतिथियों का स्वागत विद्यालय के प्रबंधक डॉ0 जयप्रकाश तिवारी ने किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की छात्रा तान्या गुप्ता,अंशी गुप्ता, अंशिका सिंह, प्रिया यादव,

एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सुजानगंज के पूर्व ब्लाक प्रमुख कमला शंकर मिश्र ने अंग वस्त्रम् प्रदान कर स्वागत किया। वक्ताओं के क्रम में वाराणसी के पूर्व एमएलसी प्रमोद कुमार मिश्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक प्रभात जी एवं भाजपा नेत्री अर्चना शुक्ला ने अपने विचार व्यक्त कर अभिभावकों एवं शिवांश ने किया। आए हुए अतिथियों का आभार विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रीति सिंह ने किया। इस अवसर पर समस्त अभिभावक बच्चों के साथ क्षेत्र के गणमान्य लोगों में भोलानाथ मिश्र, लाल बिहारी तिवारी, संतोष तिवारी, इंदु प्रकाश, मंगलागिरी, अखिल मिश्रा, संतोष द्विवेदी आदि लोग उपस्थित रहे।

ग्रेविटी रेजीडेंसियल एकेडमी का आगाज व राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (आईएनआई) के लिए युवा प्रतिभाएं निखारने पर चर्चा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ की प्रतिष्ठित कोचिंग ग्रेविटी क्लासेज और एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स की ओर से रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक सेमीनार का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने युवाओं को राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (आईएनआई) में दाखिला दिलाने के लिए तैयार करने पर जोर दिया। कहा गया कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआई) हमारे देश में उच्च कुशल व्यक्तियों के विकास और संवर्धन में अहम भूमिका निभा रहे हैं। एम्स, आईआईटी, एनआईटी, आईआईएससी आदि उन चुनिंदा संस्थानों में से हैं, जो अपने उच्च शैक्षिक मानकों और अत्याधुनिक शिक्षण सुविधाओं के लिए जाने जाते हैं। प्रत्येक छात्र और अभिभावक इन प्रतिष्ठित संस्थानों में से किसी एक में दाखिला पाने की उम्मीद करते हैं। सेमीनार में कहा गया कि एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स इन आईएनआई में छात्र प्रवेश बढ़ाने के मकसद से की जा रही पहल ग्रेविटी रेजीडेंसियल प्रोग्राम का पुरजोर समर्थन करता है। बताया गया कि ग्रेविटी क्लासेज की ओर से छात्र और छात्राओं के लिए अलग–अलग रेजीडेंसियल कैंपस का आगाज किया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि इस मकसद को हासिल करने के लिए, हमारे बच्चों को आईआईटी–जेईई, नीट व अन्य कठिन प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए उचित मार्गदर्शन और प्रशिक्षण देना होगा। वक्ताओं ने कहा कि ग्रेविटी क्लासेज ऐसे उम्मीदवारों और उनके परिवारों को उनकी उम्मीदें पूरी करने और कामयाबी हासिल करने में मदद करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। इसी उद्देश्य से ही छात्र और छात्राओं के लिए दो अलग–अलग कैंपस का आगाज किया गया है। वक्ताओं ने शिक्षा के क्षेत्र में की जा रही ग्रेविटी क्लासेज की कोशिशों की सराहना भी की। जेईई 2024 के द्वितीय चरण में सफलता पाने वाले ग्रेविटी के 600 से अधिक बच्चों की कामयाबी का जिक्र भी यहां किया गया। सेमिनार में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रोफ़. एस डब्ल्यू अख्तर मुख्य अतिथि रहे। दारुल उलूम नदवातुल उलेमा के मौलाना बिलाल अब्दुल हई हसनी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि यूपी के पूर्व डीजीपी जावीद अहमद, केजीएमयू के प्रोफेसर डॉ. कौसर उस्मान, एएमपी के अध्यक्ष आमिर इदरीशी व ध्येय आईएएस के निदेशक कमरुल हक खान ने विचार रखे। एएमपी के सेंट्रल इंडिया जोन हेड सैयद शोएब और पल्स हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. अब्दुल अहद ने विचार रखे। डॉ. शहनवाज खान ने भी सेमिनार को संबोधित किया। ग्रेविटी क्लासेज के निदेशक मो. अशफाक ने आभार जताया।

लोकसभा चुनाव को लेकर चुनाव प्रेक्षक हुये नियुक्त जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 को निष्पक्ष, स्वतन्त्र, शान्ति पूर्ण एवं सुचारू ढंग से सम्पन्न कराने के लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सामान्य प्रेक्षक पी आकाश को बनाया गया। उन्होंने बताया कि सामान्य प्रेक्षक हेतु वीरेंद्र कुमार मिश्रा उपायुक्त राज्य कर खण्ड–2 अयोध्या मोबाइल नंबर 7235002856 को लाईजनिंग ऑफिसर व मनोज कुमार आशुलिपिक, डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या मोबाइल नंबर 9415681352)को आशुलिपिक तथा राजीव कुमार डाटा इंट्री ऑपरेटर, डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय मोबाइल नंबर 7398600377 की कंप्यूटर सहायक रूप में ड्यूटी लगाई गई है।

हवाई यात्रा की बुकिंग हुई सस्ती

अयोध्या। गर्मी की छुट्टी में रामनगरी वासियों के लिए हवाई यात्रा भी बेहद आसान और किफायती होने वाली है।सभी विमान कंपनियों ने यहां से उड़ान भरने वाली हर फ्लाइट की बुकिंग सस्ती कर दी है।यही नहीं दिल्ली,मुंबई, अहमदाबाद,हैदराबाद,चेन्नई और कोलकाता से आने वाले विमानों का किराया भी कम किया गया है।इसके चलते उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों का आवागमन बढ़ सकता है। बताते चलें कि आमतौर पर अयोध्या से मुंबई की फ्लाइट करीब 8000 रुपये में बुक होती है,लेकिन सात मई से इसी का फ्लाइट का किराया 5235 रुपये कर दिया गया है और ये ऑफर एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ–साथ इंडिगो व स्पाइसजेट में भी मिल रहा है।वहीं मुंबई से रामनगरी वाली फ्लाइट 5698 रुपये में बुक हो रही है।इसी तरह दिल्ली से अयोध्या की फ्लाइट आठ मई को 3300 रुपये में और अयोध्या से दिल्ली वाली चार मई को 3220 रुपये में बुक हो रही है। 13 मई को हैदराबाद की बुकिंग 5465 रुपये में,कोलकाता और चेन्नई के लिए 5999 रुपये में फ्लाइट बुकिंग चल रही है।

देश के विभिन्न प्रदेशों के राज्यपालों का राम लला का दर्शन करने का सिलसिला जारी

अयोध्या। देश के विभिन्न प्रदेशों के राज्यपालों का राम लला का दर्शन करने का सिलसिला जारी है। सोमवार को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का दर्शन कर रहा हूं, लंबे समय तक जो संघर्ष चला है मेरी भी इसमें भूमिका रही है, आशा थी एक समय आएगा भगवान राम लला की प्राण प्रतिष्ठा होगी और भगवान राम लला का प्राण प्रतिष्ठा हुई, महाप्रभु का दर्शन करने के लिए मैं अपनी पत्नी के साथ अयोध्या पहुंचा हूं, जिस तरह से प्रभु राम ने आदर्श की स्थापना की थी वह कैसा आदर्श होगा शासन कैसे चलेगा अभी बहुत सी चीज होनी है, प्रभु राम लला का दर्शन करने के बाद जीवन धन्य हो गया।

रिटायर्ड फौजी ने वृद्धा की जान बचाकर किया सराहनीय कार्य

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रिटायर्ड फौजी ने एक वृद्धा की जान बचाकर सराहनीय कार्य किया।मामला अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के रानोपाली क्रासिंग का है। प्रत्यक्षदर्शी अधिवक्ता सुनील कुमार सिंह ने बताया कि अयोध्या धाम से अयोध्या कैंट जाने वाली मेमो ट्रेन को लेकर रानोपाली क्रॉसिंग बंद की गई थी। इस दौरान स्वर्गीय कैलाश पंडा निवासी रानोपाली पंडा टोला की पत्नी करीब 85 वर्षीय वृद्ध व विधवा महिला रेलवे लाइन पार करने लगी, तभी सामने मोड़ पर ट्रेन आती दिखाई पड़ी तो क्रॉसिंग पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया। मौके पर मौजूद एक सैन्य वर्दीधारी तत्काल हरकत में आया और वृद्ध महिला को अपनी गोद में उठाकर फुर्ती से पीछे की तरफ कूद गया। भूतपूर्व सैनिक ने अपना नाम सतीश कुमार सिंह निवासी मालीपुर, अखंड नगर, जनपद सुलतानपुर और अयोध्या नगर निगम प्रवर्तन दल में तैनात बताया है। वह 2015 से 2022 तक सरहद पर कश्मीर के जोखिम भरे क्षेत्र मे रह चुका है।

समर्थकों से अभय सिंह की भावुक अपील जीना मरना तेरे संग जंग में रहना मेरे संग

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। दिल वही है कुछ किरदार बदलने वाले हैं। हम वही है जो अपनो संग इतिहास बदलने वाले हैं। सियासी सफर में हमेशा सुर्खियों में रहने वाले गोसाईगंज विधायक अभय सिंह 2024 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से अपनो संग राजनैतिक सक्रियता बढ़ाते हुये बड़ा सियासी धमाका करके सियासी सूरमाओं को चौकाने वाले हैं। इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों के बहुत से समर्थकों को दर किनार व नजर अंदाज कर स्थानीय नेताओं द्वारा अपने जेबी लोगो को तवज्जो दिए जाने को लेकर गोसाईगंज विधान सभा मे बखेड़ा खड़ा हो गया हैं। ऐसे लोगो को अपने पाले में करने के लिए अभय सिंह अपने प्रभाव के चलते गोसाईगंज विधानसभा में एक बड़ा धमाका करने की तैयारी में हैं। उनका ये सियासी धमाका अम्बेडकर नगर लोकसभा चुनाव में चौकाने वाला होगा। परन्तु इसके लिए अभी उन्होंने अपने पत्ते नही खोले हैं। परन्तु उन्होंने अपने समर्थकों से भावुक अपील करते हुये कहा है। मुझे जीना मरना तेरे संग परन्तु जंग में रहना मेरे संग विधायक की यह अपील समर्थकों के दिल छू गयी हैं।

सक्रिय सदस्यों को प्रमुख संगठन में दिया जाएगा स्थान–महामंत्री कवींद्र साहनी

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। शहीद स्मारक सेवा समिति अयोध्या के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक आज दिनांक 28 अप्रैल 24 को अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह पूर्व पुलिस उपाधीक्षक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में प्रमुख रूप से संस्थापक। संयोजक ओमप्रकाश सिंह नाहर, महामंत्री कवींद्र साहनी, उपाध्यक्ष दलजीत सिंह, सचिव सचिन सरीन, रमेश चौरसिया, अभय कुमार सिंह एडवोकेट,व अन्य मौजूद रहे। महामंत्री कवींद्र साहनी द्वारा सम्बोधित करते हुए समिति के वर्तमान के क्रियाकलापों के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया गया। सर्व सम्मति से समिति की युवा शाखा एवं महिला शाखा को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया।सक्रिय सदस्यों को प्रमुख संगठन में स्थान दिया जाएगा। समिति की मुख्य कमेटी के द्वारा ही कार्यो का सम्पादन किया जायेगा। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी मानव मेहरोत्रा ने दिया।

श्रीराम चिकित्सालय के प्रेरणा कैंटीन में मिलेगा रामलला का विशेष प्रसाद - सरिता

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। अब राममंदिर के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को वापसी में विशेष श्रीप्रसादम मिलेगा।मुख्य निकास द्वार पर एनआरएलएम द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह के काउंटर पर यह प्रसाद मिलेगा। बताते चलें कि खास बात यह है कि इस विशेष प्रसाद वाले कांबो पैक में अयोध्या के प्रसिद्ध मंदिरों के प्रसाद भी रहेगा। इसके साथ ही भक्तों के लिए सरयू नीर, अयोध्या रज, रामलला के विग्रह की फोटो, भी रहेगी। फिलहाल यह 'श्रीप्रसादम' भक्तों के लिए सशुल्क रहेगा।राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन पूरा बाजार सरायरासी की स्वयं सहायता समूह रानी लक्ष्मी बाई समूह की दस महिलाएं इस 'श्रीप्रसादम' योजना को अमली जामा पहनाने में जुटी हैं।डीएम नीतीश कुमार के समक्ष इस समूह ने जिला मिशन प्रबंधक सरिता वर्मा के साथ इसका डेमो दिया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि इस कांबो पैक में आम भक्तों को रामलला का इलाची दाना, हनुमानगढ़ी का लड्डू, कनक भवन का खुरचन पेड़ा, अमावा मंदिर का रघुपति प्रसादम के साथ ही अयोध्या की अन्य पवित्र चीजें एक पैकेट में दी जाएंगी। इसके लिए श्रीरामअस्पताल में 26 गुणा 11 फिट की एक जगह समूह को दे दी गई है। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि समूह की महिलाओं ने इस पर काम किया है, यह सशुल्क रहेगा काउंटर से जिसे खरीदना होगा वह खरीद सकेगा। इससे श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का भी कोई वास्ता नहीं होगा यह पूरी तरह से समूह की महिलाओं का प्रयास है। इस 'श्रीप्रसादम' में 51 रुपये से लेकर 1008 रुपये तक का पैक उपलब्ध रहेगा।सबसे छोटे पैक में रामदाना या इलाची दाना व रामलला का विग्रह होगा।जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इसके अलावा 251 वाले पैक में रामदाना,हनुमानगढ़ी का लड्डू, कनक भवन का खुरचन पेड़ा, अयोध्या की रज, सरयू जल व रामलला का विग्रह की फोटो रहेगी।इसी तरह से 1008 वाले पैक में इन सबके के साथ 11 वस्तुएं शामिल की गई हैं।श्री राम अस्पताल में खुलने वाले इस काउंटर में एक प्रेरणा कैंटीन भी खुलेगी।इस कैंटीन में मिलेट से बनी पूड़ी रोटी व पराठा , खिचड़ी मिलेगी।यही नहीं बिना लहसुन प्याज से बना सादा भोजन भी भक्तों को यहां मामूली शुल्क अदा कर मिलेगी। सरिता ने बताया कि इस पर काम शुरू हो गया है। एक हफ्ते में यह काउंटर खुल जाएगा।

दो वाहनों में आमने सामने हुई भिड़ंत में चार घायल

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। कोतवाली क्षेत्र के पुलिस चौकी चौरे बाजार के परोमा के पास विपरीत दिशा से आ रही वरुणा कार और स्कॉर्पियो में आमने सामने भीषण टक्कर हो गई,दोनों वाहनों में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर पहुंचाया गया।जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक अनुराग गुप्ता के द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत में सुधार न होने पर गहन जिला अस्पताल भेजा दिया गया।बताया जाता है कि रविवार की सुबह करीब 9 बजे अयोध्या से सुल्तानपुर की तरफ जा रही वरुणा कार और सुल्तानपुर से अयोध्या की तरफ जा रही स्पार्कियो अयोध्या इलाहाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग के बीकापुर कोतवाली क्षेत्र की पुलिस चौकी क्षेत्र परोमा के पास आपस में टकरा गई जिससे वरुणा कार पर सवार जगन्नाथ महतो उम्र 45 पुत्र शशिभूषण निवासी टाटानगर झारखंड तथा स्पार्कियो कार पर सवार बारात से वापस लौट रहे जितेंद्र तिवारी(30) पुत्र रामकृपाल निवासी मरुईसहाय सिंह , प्रिंस प्रताप सिंह उम्र 25 पुत्र शिव बहादुर सिंह निवासी कोछा, स्वामीनाथ पांडे उम्र 69 पुत्र जगत नारायण निवासी कोमिया पट्टी न्यू नगर सुल्तानपुर गंभीर रूप से घायल हो गए।सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी बीकापुर पहुंचाया गया जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक अनुराग गुप्ता ने प्राथमिक उपचार किए जाने के बाद गहन इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

परशुराम जयंती पर होगा दीपोत्सव व हवन पूजन व भंडारा

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव महापर्व 10 मई 2024 को घर–घर भगवान महा विष्णु के अवतार श्री परशुराम जी का पूजन और दीपोत्सव पर जगह–जगह हवन पूजन भंडारे का आयोजन होगा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप राम त्रिपाठी ने बताया की अखिल भारतीय चाणक्य परिषद उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में जनपद बलरामपुर में धूमधाम से मनाया जाएगा जन्मोत्सव अधिक से अधिक संख्या में संगठन के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं से पहुंचने का आवाह्न किया है कार्यक्रम स्थल श्री यदुनंदन मिश्र जिला अध्यक्ष बलरामपुर के निज आवास बहादुरपुर निकटजिलाधिकारी आवास पर बलरामपुर गोंडा रोड समय 4:00 बजे आयोजित है। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप राम त्रिपाठी ने कहा की अखिल भारतीय चाणक्य परिषद का मुख्य उद्देश्य विलुप्त हो रहे भारतीय तथा स्थानीय संस्कृति को सुरक्षित रखना है। ब्राह्मण ,समाज का गुरु है जो कि सबको ज्ञान देता है समाज का सुधार तभी संभव है जब स्वयं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन हो। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राष्ट्रीय संरक्षक रामानुज तिवारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सतीश पांडेय काशीनाथ तिवारी जयप्रकाश तिवारी क्षीरेश्वर दत्त मिश्र डॉक्टर जय गुरुदेव शुक्ल राधा रमण त्रिपाठी सत्यदेव मिश्र तथा समस्त अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के पदाधिकारी कार्यकर्ता गण शामिल रहेंगे।

भाजपा सरकार ने न केवल भ्रष्टाचार खत्म किया बल्कि गुण्डों और माफियाओं को मिट्टी में मिलाने काम किया – नितिन अग्रवाल

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)

रविवार को एक मैरिज लॉन में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि कॉग्रेस ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया और सपा, बसपा ने गुण्डों और माफियाओं को बढ़ावा दिया।योगी, मोदी जी ने न केवल भ्रष्टाचार खत्म किया बल्कि गुण्डों और माफियाओं को मिट्टी में मिलाने काम किया है। श्री अग्रवाल, यहॉ हरदोई से भाजपा उम्मीदवार जयप्रकाश रावत के समर्थन में कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने सबको समान रूप से बिना किसी भेद–भाव के एक सूत्र में पिरोकर देश व समाज के विकास के लिए काम किया है।उन्होने लोकसभा चुनाव को देश की अस्मिता से जोड़ते हुए कहा कि यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं बल्कि देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने का चुनाव है इसलिए एकजुट होकर भाजपा के पक्ष में मतदान करना है।

उ0प्र0 सरकार के आबकारी मंत्री ने कहा कि भाजपा के 10 वर्ष के शासन काल में भ्रष्टाचार का एक भी मामला प्रकाश में नहीं आया जबकि कॉग्रेस शासन में हरदिन भ्रष्टाचार का कोई न कोई मामला निकलकर सामने आता था।आबकारी मंत्री ने नारा दिया 'अबकी बार, जयप्रकाश 3 लाख पार' उन्होने कहा कि इस नारे को चरितार्थ करना होगा।

उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि वह हमेशा की तरह क्षेत्र के लोगों के साथ उनके दुख–सुख में खड़े रहेंगे। श्री अग्रवाल ने सम्मेलन में भारी संख्या में मौजूद लोगों से हाथ उठवाकर भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देने का आश्वासन लिया।

भाजपा नेता राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि भाजपा उम्मीदवार जय प्रकाश रावत वह न केवल समाज को आगे बढ़ायेगे बल्कि मान–सम्मान की सुरक्षा भी करेंगे।कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ एम एल गुप्ता ने भाजपा सरकार की योजनाओं की प्रशंसा करते हुए, घमंडिया गठबंधन के नेता राहुल गाँधी के बयानों से सावधान रहने का निवेदन किया।उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार को भारी मतों

से जिताने की अपील की। सम्मेलन का संचालन प्रभारी आजाद भदौरिया ने किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक उद्योग व्यापार संगठन के अध्यक्ष नलिन गुप्ता डब्लू, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता,पूर्व सभासद किरन, कृति वर्मा, भाजपा अध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय, डी सी डी एफ चेयरमैन रामदास गुप्ता, चौधरी उमेश गुप्ता, सभासद प्र रमाकांत मौर्य, रचित गुप्ता,आजाद सिंह, इंद्रेश दीक्षित, जमील खां, आरिफ, हाकिम सिंह, श्री हर्ष पांडे, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष वेदराम राजपूत सहित बड़ी संख्या में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाता तथा समर्थक मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।